दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, रविवार, 08 फरवरी 2026 | वर्ष : 01, अंक : 69, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

सलमान खान के सामने बोले आरएसएस प्रमुख

भारत में रहने वाले सभी हिन्दू

यूएस टैरिफ के जिक्र पर बोले भागवत- फिलहाल शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और एक-दूसरे का पूरक बनना जरूरी

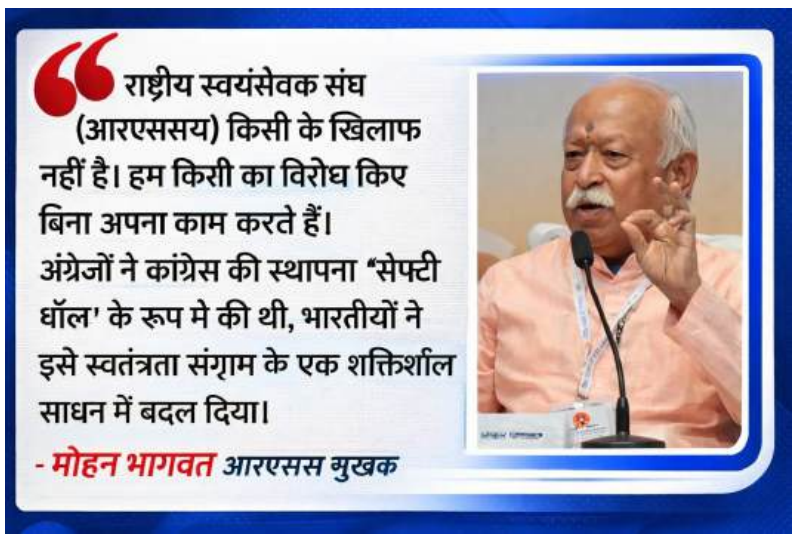

मुंबई ● एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के 100 साल पूरे होने पर मुंबई में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान भी शामिल हुए। वे फिल्ममेकर सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी के साथ मंच के सामने बैठे और RSS प्रमुख मोहन भागवत का भाषण सुना।

इस कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता है, न ही यह किसी खास समुदाय का नाम है। उन्होंने कहा कि RSS किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, हालांकि संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं। भागवत ने कहा, भागवत ने कहा- भारत का बंटवारा धर्म की वजह से हुआ। हमने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। इस्लाम, ईसाई धर्म अभी भी भारत में मौजूद हैं। झड़पें होती हैं, लेकिन देश एकजुट रहा है। हिंदू भाव को भुला देना भी बंटवारे का कारण बना।

आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल हुए सलमान, सुना संघ प्रमुख भागवत को

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान आज मुंबई में आरएसएस के शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान वो संघ प्रमुख मोहन भगवत का भाषण सुनते नजर आए। सलमान खान ने भगवत के भाषण को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान भगवत ने जोर देकर कहा कि संघ किसी का विरोध किए बिना देश के लिए काम करता है, राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित करता है और सत्ता की लालसा के बिना कार्य करता है। आज वर्ली क्षेत्र के नेहरू सेंटर में 'संघ की 100 साल की यात्राः नए क्षितिज' शीर्षक से दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का पहला दिन था।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर क्य कहा?

अमेरिका से व्यापार सौदे के बाद भागवत ने कहा कि हम दुनिया से अलग-थलग नहीं रह सकते हैं। लेकिन लेन-देन करेंगे तो अपनी मर्जी से करेंगे। किसी के दबाव में नहीं करेंगे, न ही किसी टैरिफ देखकर फैसले लेंगे। उन्होंने कहा, हम जो भी खरीददारी करेंगे, वह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाली होगी। हमें स्वदेशी को अपनाना चाहिए। जहां कोई विकल्प नहीं है और विदेश के अलावा कोई विकल्प नहीं है, वहां विदेशी वस्तुओं को अपनाया जा सकता है।

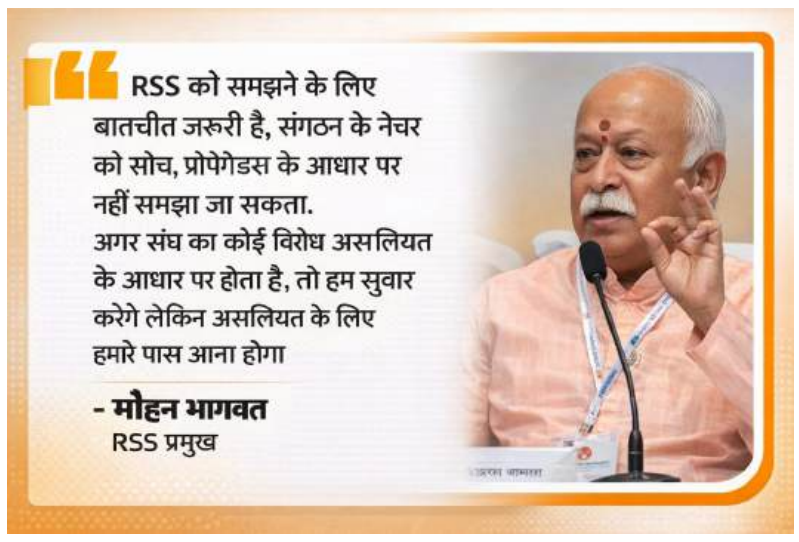

उन्होंने कहा, लेकिन फिर भी कुछ हद तक यह देखा जा सकता है कि समाज को दिशा देने और अनुकूल माहौल बनाने का काम नहीं हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं है और किसी घटना की प्रतिक्रिया के रूप में काम नहीं करता है, बल्कि इसका फोकस देश में जारी सकारात्मक प्रयासों का समर्थन मजबूत करने पर है।

जोर का झटका जोर से पाकिस्तान लगा

अमेरिका ने पूरा PoK भारत के नक्शे में दिखाया

वॉशिंगटन ● एजेंसी

जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन पाकिस्तान इस आसान से तथ्य पर चाहे जितनी बहस करे या कितना ही प्रोपेगेंडा चलाए, लेकिन सच्चाई पूरी दुनिया को पता है। अब इस कड़ी में अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। व्यापार समझौते के बाद कहीं ना कहीं अमेरिका ने पाकिस्तान को कश्मीर के उत्तरी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को भारत के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया हिस्सा यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है।

इस पोस्ट के जरिए बताया गया कि अमेरिकी उत्पादों की अब नए बाजार तक पहुंच बनेगी। भारत का नक्शा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक ग्राफिक का हिस्सा था। जिसमें अमेरिका से आयात किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में अमेरिकी मेवे, लाल ज्वार, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सूखे अनाज (सूखे आसवन अनाज) और अमेरिकी शराब और स्पिरिट शामिल हैं। अब यह पोस्ट पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जो कि बार-बार कश्मीर राग अलापने पर करार जवाब है। क्योंकि आमतौर पर इसमें साफ तौर पर बॉर्डर दिखाया जाता है।

मुद्दे पर भी साफ संदेश दे दिया है।अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने भारत का एक नक्शा जारी किया है, जिसमें जम्मू और कश्मीर को स्पष्ट रूप से भारत का हिस्सा दिखाया गया है।

दरअसल, ट्रेड डील पर रूपरेखा तय होने के बाद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने भारत का नक्शा जारी किया, जिसमें भारतीय क्षेत्र को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया गया है। इस नक्शे में

गेम चेंजर है यूएस डील : शाह, निर्मला

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक अंतरिम व्यापार समझौते को केंद्र सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बूस्टर डोज करार दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गृह मंत्री अमित शाह ने इस समझौते को 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। सरकार का दावा है कि यह डील न केवल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ेगी, बल्कि लागत घटाने और रोजगार पैदा करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

'मेक इन इंडिया' और रोजगार के लिए वरदान

गृह मंत्री अमित शाह ने इस समझौते को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को हकीकत में बदलने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरिम समझौता भारत के विकास इंजन को नई गति देगा। शाह के मुताबिक, यह डील 'मेक इन इंडिया', मेहनती किसानों, उद्यमियों, स्टार्टअप

इनोवेटर्स और मछुआरों के लिए एक बूम साबित होगी, साथ ही युवाओं और महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी प्रतिक्रिया में क्या कहा?

एमएसएमई और उपभोक्ताओं को सीधी राहत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को स्पष्ट किया कि यह ढांचा भारत के छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए वैश्विक बाजार में पहुंच आसान बनाएगा। उन्होंने कहा कि इससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लागत कम होगी।

टैरिफ के गणित को समझाते हुए उन्होंने बताया कि अमेरिका भारतीय सामानों पर मौजूदा 50 प्रतिशत के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। इसके बदले में, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क खत्म या कम करेगा। इन अमेरिकी उत्पादों में ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, पशु चारे के लिए लाल ज्वार, ट्री नट्स, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट शामिल हैं।

भारत-अमेरिका के बीच समझौते में क्या है?

इस समझौते का सबसे बड़ा पहलू भारत की ओर से $500 बिलियन की खरीद की मंशा है। भारत अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद, विमान और उनके पुर्जे, कीमती धातुएं, टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और कोकिंग कोल खरीदेगा।

नक्सलियों के ताबूत में आखिरी कील!

अमित शाह के दौरे से पहले 51 नक्सलियों का सरेंडर

बीजापुर ● एजेंसी

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को बड़ा झटका लगा है। गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से पहले राज्य के सुकमा और बीजापुर में 51 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। बीजापुर में साउथ सब जोनल ब्यूरो से संबंधित कुल 30 इनामी माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इन कैडरों पर कुल 85 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएँ और 10 पुरुष शामिल हैं, जिन्होंने सशस्त्र विचारधारा को त्यागकर शांति, संवाद और विकास का मार्ग अपनाने की प्रतिबद्धता जताई है। यह घटना बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 1

जनवरी 2024 से अब तक जिला बीजापुर में 918 माओवादी कैडर समाज की मुख्यधारा में लौट चुके हैं, 1163 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है और 232 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं। बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता रही है। 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' जैसी पहलों के माध्यम से, सरकार नक्सलियों को हिंसा का मार्ग छोड़कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

कोटा में 3 मंजिला बिल्डिंग गिरी

कोटा ● एजेंसी

राजस्थान के कोटा में शनिवार रात करीब 9 बजे एक 3 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। मलबे में स्टूडेंट्स समेत कई लोग दब गए। हादसे में एक कोचिंग स्टूडेंट की मौत हो गई, जबकि 10 घायलों को कोटा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

इमारत गिरने की सूचना पर पुलिस और SDRF की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हालात यह थे कि मलबे में दबे लोग चीख रहे थे, हमें बचा लो। किसी का हाथ बाहर दिख रहा था तो किसी का पैर।

SDRF की टीम और स्थानीय लोग मलबे में दबे लोगों को निकाल में जुटे हैं। रेस्क्यू के दौरान एक बचाव दल का एक कर्मचारी भी घायल हो गया। मृतक कोचिंग स्टूडेंट की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी आर्यन (20) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, तलवंडी इलाके में इस बिल्डिंग के अंदर एक रेस्टोरेंट चल रहा था। घटना के समय कुछ ग्राहक और रेस्टोरेंट में काम करने वाले 12 से 15 कर्मचारी मौजूद थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- हमें आवाज आई जैसे पटाखे छूट रहे हों। हम तुरंत मौके पर पहुंचे। रात करीब 9 बजे के ब्लास्ट की आवाज आई और बिल्डिंग नीचे गिर गई। अंदर से बचाओ-बचाओ की आवाजें आ रही थी।

एपस्टीन फाइल्स- अनिल अंबानी की चैट सामने आई

दावा- सुनहरे बालों वाली स्वीडिश महिला की पेशकश हुई, अनिल बोले- अरेंज करो

वॉशिंगटन ● एजेंसी

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने जो दस्तावेज जारी किए हैं, उसमें अनिल अंबानी से जुड़े नए खुलासे सामने आए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच 2017 से 2019 के दौरान हुई बातचीत से जुड़े हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें कारोबार, वैश्विक मामलों और महिलाओं को लेकर चर्चा हुई। 9 मार्च 2017 की बातचीत में अनिल ने एपस्टीन से पूछा- क्या सुझाव है? इस पर एपस्टीन ने लिखा- मुलाकात 'मजेदार' बनाने के लिए 'लंबी स्वीडिश ब्लॉन्ड महिला' बेहतर होगी। इसके बाद अंबानी ने जवाब दिया, 'इसे अरेंज करो।' बातचीत तब की है। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की जेल में मौत हो गई थी। आधिकारिक रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने आत्महत्या की थी। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की जेल में मौत हो गई थी। आधिकारिक रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने आत्महत्या की थी। यह बातचीत उस समय की है, जब एप्सटीन को पहले ही 2008 में नाबालिगों से जुड़े यौन आपराध के मामले में सजा मिल चुकी थी। इसके बावजूद एप्सटीन

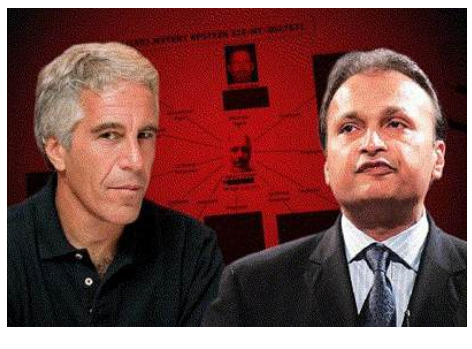

दुनिया के कई प्रभावशाली और ताकतवर लोगों के संपर्क में बना हुआ था।

रिकॉर्ड बताते हैं कि दोनों के बीच पेरिस और न्यूयॉर्क में मिलने की योजना बनीं। मई 2019 में अनिल अंबानी के न्यूयॉर्क दौरे के वक्त एपस्टीन ने उन्हें मैनहैटन स्थित अपने घर बुलाया, जहां दोनों मिले।

दूसरे ईमेल्स से यह भी पता चलता है कि अंबानी और एपस्टीन के बीच अंतरराष्ट्रीय यात्राओं, बिजनेस मीटिंग्स और वैश्विक मंचों पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बातचीत हुई थी। इनमें पेरिस, न्यूयॉर्क और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के कार्यक्रमों में संभावित मुलाकातों का जिक्र है। एप्सटीन को 2019 में संघीय स्तर पर सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में फिर से गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मुकदमा शुरू होने से पहले ही उसकी हिरासत में मौत हो गई। इसके बाद दुनियाभर में विवाद खड़ा हुआ और उसके नेटवर्क को लेकर कई तरह की जांच शुरू हुईं।

चैट्स में डोनाल्ड ट्रम्प और हॉलीवुड से जुड़े संदर्भ भी हैं। एक बातचीत में एपस्टीन ने पसंदीदा महिला पर सवाल किया, जिस पर अंबानी ने हॉलीवुड अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन का जिक्र किया।

श्री क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा रोजगार मेले का सफल आयोजन, 350 से अधिक युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

इंदौर ● संवाददाता

श्री क्षत्रिय मराठा समाज (पब्लिक ट्रस्ट) इंदौर द्वारा 7 फरवरी 2026 को उप नगर एक्सटेंशन, इंदौर स्थित समाज के स्कूल श्री छत्रपति शिवाजी पब्लिक स्कूल में समाज के युवाओं के लिए विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में लगभग 850 युवाओं ने भाग लिया और विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए आवेदन प्रस्तुत किए।

इस जनहितकारी कार्यक्रम का आयोजन समाज के सक्रिय सदस्य डॉ. आनंद मोरे के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं मराठी भाषा संघ की अध्यक्ष श्रीमती सविता कासाद उपस्थित रहीं। समाज के अध्यक्ष श्री रविन्द्र सोमवंशी ने बताया कि रोजगार मेले में 60 से अधिक

प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें फार्मा, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां शामिल थीं। इन कंपनियों द्वारा लगभग 350 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए।

समाज के सचिव श्री राजेश निकम ने

जानकारी दी कि इस रोजगार मेले में दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और सभी के लिए समान रूप से रोजगार हेतु आवेदन की व्यवस्था की गई। इस दौरान दो दिव्यांग युवाओं को तत्काल रोजगार प्राप्त हुआ, जो समाज के लिए गर्व का विषय है।

इसके साथ ही युवाओं को स्टार्टअप, स्वरोजगार एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ ट्रस्टी श्री शंकरराव जाधव, उपाध्यक्ष श्रीमती सविता जावकर, कोषाध्यक्ष श्री विकास चव्हाण, ट्रस्टी श्री भूपेंद्र अडसूरे, श्री लोकेश सरोश, श्रीमती पल्लवी गरुड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

इस रोजगार मेले में मध्यप्रदेश स्टेट मेयर ऑफ चेंज, नीति आयोग एमपी चैप्टर के डॉ. एम. असद, एमपी डिप्टी के उपाध्यक्ष श्री नरेंद्र मुंदड़े तथा टैलेंट मैक्स एच.आर. के प्रबंधक श्री नितेश पोचवाल द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन से समाज के युवाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने को मिला।

मास्टर प्लान की 23 सड़कों का काम समय पर हो

मंत्री विजयवर्गीय और महापौर ने अधिकारियों से की बातचीत, विभागीय समन्वय बनाने को कहा

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में मास्टर प्लान की 23 सड़कों के निर्माण कामों की शनिवार को सिटी बस ऑफिस में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने समीक्षा की है। इसमें शहर में 4 पैकेज के माध्यम से प्रस्तावित मास्टर प्लान सड़कों को बनाने की प्रोग्रेस, टाइम लाइन में काम, तकनीकी दिक्कतों और आवश्यक समन्वय पर बात हुई।

मंत्री विजयवर्गीय और महापौर भार्गव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मास्टर प्लान की सड़कें समय सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने रोड़ बनाने में आ रही दिक्कतों, खासकर रास्ते में आने वाले पेड़ों को स्थानांतरण, आवासीय और व्यावसायिक निर्माण और सेंट्रल लाइनिंग व नर्मदा, सीवरेज लाइनों के समुचित समन्वय पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा शहर की मास्टर प्लान की रोड न केवल यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगी, बल्कि शहर के समग्र विकास को नई दिशा भी देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करते हुए निर्माण कामों को गति दे।

मास्टर प्लान की इन प्रमुख रोड पर हुई चर्चा

- टीसीएस से एमआर-5 लिंक रोड
- एमआर-10 से एमआर-12 को जोड़ने वाली लिंक रोड
- मच्छी बाजार चौराहे से चन्द्रभागा पुल तक
- जिंसी चौराहे से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक
- नेमीनाथ चौराहे से जिंसी चौराहे तक
- सुभाष मार्ग गोल मंदिर से रामबाग पुल तक
- सांवेर रोड पेट्रोल पम्प से शिवशक्ति नगर हनुमान मंदिर तक
- एयरपोर्ट रोड से एमआर-5 को जोड़ने वाली लिंक रोड
- एमआर-5 बड़ा बांगड़दा से पीएमएवाय मल्टी तक
- भमोरी चौराहे से एमआर-10 तक
- राजशाही गार्डन से होटल वॉव तक
- भागीरथपुरा मुख्य मार्ग
- एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक
- एमआर-9 से मालवीय नगर गली नंबर-2 होते हुए एलआईजी लिंक रोड
- वीर सावरकर प्रतिमा से अटल द्वार तक
- नेहरू प्रतिमा (मधुमिलन चौराहा) से छावनी पुल तक
- एबी रोड जीपीओ चौराहे से सरवटे बस स्टैंड तक
- जमजम चौराहे से स्टार चौराहे तक
- मुसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम मंदिर तक
- किला मैदान रोड गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार तक
- कंडिलपुरा रोड सुभाष मार्ग से इंदौर वायर चौराहे तक
- रिंग रोड खजराना मंदिर द्वार से जमजम चौराहे तक
- इंदौर बायपास होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट तक
- आरई-2 जीआरपी लाइन भूरी टेकरी से आरटीओ नायता मुंडला तक

इंदौर में 6.5 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा : 350 करोड़ की लागत से पुरानी मंजूर डिजाइन के अनुसार ही आगे बढ़ेगा

इंदौर। इंदौर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में शनिवार को एक अहम बैठक हुई। बैठक में मेयर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित इंदौर विकास प्राधिकरण और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में इंदौर शहर में प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि एलआईजी चौराहे से नौलखा तक लगभग 6.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का काम शुरू हो चुका है और फिलहाल मिट्टी की जांच (सॉयल टेस्टिंग) की जा रही है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा 15 फरवरी से कॉरिडोर के फाउंडेशन का काम शुरू किया जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और प्रोजेक्ट को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया। मेयर ने बताया कि यह एलिवेटेड कॉरिडोर लगभग 350 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट पिछले चार सालों से अटका हुआ था, जिसे अब पुरानी स्वीकृत डिजाइन के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। शहरवासियों को उम्मीद है कि एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

निर्माण कार्यों में नहीं बरते लापरवाही

समीक्षा बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण कामों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जाए। बैठक में विधायक रमेश मेंदोला, विधायक महेंद्र हार्डिया, निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री नरेश जायसवाल, पीएस कुशवाह, उपयंत्री पराग अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चिड़ार समाज का शिवरात्रि पर्व एवं पुस्तैनी चल समारोह नए अध्यक्ष द्वारा निकाला जाएगा

इंदौर ● संवाददाता

65 शिव मन्दिर मुसाखेड़ी इंदौर, चिड़ार समाज का शिवरात्रि पर्व एवं पुस्तैनी चल समारोह इस बार लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए नव निर्वाचित चिड़ार समाज के जिला अध्यक्ष जितेंद्र शेरा द्वारा निकाला जाएगा जितेंद्र शेरा ने समाजजन से आग्रह किया है कि सभी स्नेहीजन इस भक्तिमय, मिलनसार एवं गौरांवित करने वाले बाबा नर्मदेश्वर महादेव की चल समारोह में शामिल होकर बाबा भोलेनाथ को मनाए ताकि चिड़ार समाज का ओर चिड़ार समाज के लोगो का कल्याण हो सके जितेंद्र शेरा ने आगामी कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत करते हुए बताया कि दिनांक 15 फरवरी 2026 (रविवार) को अभिषेक पूजन प्रातः 7 बजे रखा गया है।

बाबा नर्मदेश्वर महादेव की यात्रा एवं चल समारोह 11 बजे , एवं संगीतमय सुंदरकांड रात्रि 8 बजे रखा गया है और दिनांक 16 फरवरी 2026 सोमवार को समाजजनों का मिलन समारोह एवं भंडारा महाप्रसादी सुबह 11 बजे से प्रारंभ हो जाएगा चिड़ार समाज के इन्दौर जिला सचिव नितिन चंदेल ने सभी समाज जानो को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है और कहा ये हमारा नहीं अपितु सम्पूर्ण चिड़ार समाज का कार्यक्रम है युवा साथियों से नितिन चंदेल ने आग्रह किया कि युवा साथी भी समाज के कल्याण

में अपना नाम आगे लाए क्योंकि युवाओ के द्वारा ही समाज का उद्धार होगा अपने वरिष्ठ समाज सेवियों का सम्मान करते हुए नितिन चंदेल ने सभी जो पूर्व में कार्यरत थे जिन्होंने समाज का नाम रोशन किया है उन सभी वरिष्ठ समाज सेवियों से भी निवेदन किया है कि आपके मार्गदर्शन में यह शोभा यात्रा सफल होगी आप सभी सम्माननीय समाज बंधु सादर आमंत्रित है।

कांग्रेस नेता की 'फर्जी शादी' का कार्ड वायरल

साइबर साजिश की आशंका; इंदौर पुलिस से शिकायत, बोले- लिंक पर क्लिक न करें

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता उस वक्त मुसीबत में पड़ गए, जब सोशल मीडिया पर उनकी अपनी ही शादी का निमंत्रण पत्र वायरल होने लगा। हद तो तब हो गई जब यह कार्ड हजारों लोगों के मोबाइल तक पहुंच गया। अब नेताजी लोगों से हाथ जोड़कर अपील कर रहे हैं 'मेरी शादी नहीं है, प्लीज उस लिंक को न खोलें।'

इंदौर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता सदाशिव यादव के नाम से एक डिजिटल वेडिंग कार्ड सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल किया जा रहा है। इस फर्जी कार्ड में शादी की तारीख 24 फरवरी 2026 लिखी गई है। कार्ड के साथ एक संदिग्ध लिंक भी अटैच किया गया है, जिसमें लोगों को विशेष निमंत्रण के नाम पर क्लिक करने को कहा जा रहा है।

यादव बोले- मेरा अकाउंट हैक हो गया

जैसे ही सदाशिव यादव को इस फर्जीवाड़े की खबर लगी, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि उनकी कोई शादी नहीं हो रही है। यादव ने आशंका जताई है कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट या मोबाइल डेटा हैक कर लिया गया है और यह उनकी छवि खराब करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश हो सकती है।

पुलिस और साइबर सेल में शिकायत दर्ज

सदाशिव यादव ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इंदौर साइबर सेल अब इस बात की जांच कर रही है कि यह फर्जी कार्ड कहां से जनरेट हुआ और इसके पीछे किसका हाथ है।

शोरुम में काम करने वाली युवती की मौत : घटना पर पिता ने जताया संदेह

इंदौर। क्षिप्रा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। पिता ने घटना को लेकर संदेह जताया है। शनिवार को एमवाय अस्पताल में युवती का पीएम हुआ। इधर, पुलिस घटना कैसे हुई, कहां हुई इसकी जानकारी निकाल रही है। क्षिप्रा टीआई कैलाश सोलंकी ने बताया कि एक 21वर्षीय युवती का मर्ग हुआ है। जिसका शनिवार को एमवाय अस्पताल में पीएम करवाया गया है। फिलहाल पीएम रिपोर्ट नहीं मिली है। शुक्रवार रात को सूचना मिली थी कि एक युवती को मांगलिया के अस्पताल में लाया गया है। मगर उस अस्पताल से भी कोई सूचना नहीं मिली थी। जिसके बाद परिजन युवती को लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे, जहां उसका शव मॉर्चुरी में रखा गया है। युवती के एक्सीडेंट की बात सामने आई है, लेकिन घटना कहां हुई, कैसे हुई इसके बारे में जानकारी निकलवाई जा रही है।

युवक ने बहन को दी सूचना

इधर, युवती के पिता ने बताया कि वह लसूडिया इलाके में एक शो रुम में काम करती थी। शुक्रवार को उसका एक दोस्त उससे गाड़ी मांगने गया था। उसने स्कूटी की चाबी और मोबाइल उसे दे दिया था। जिसके बाद वह ऑटो से मांगलिया तक आई। उसने छोटी बहन को ऑटो वाले के मोबाइल से कॉल कर 50 रुपए ट्रांसफर करने को कहा था। जिसके बाद क्या हुआ उसकी जानकारी नहीं है। बाद में उस लड़के ने छोटी बेटी को कॉल पर बताया कि उसका एक्सीडेंट हुआ है मांगलिया के अस्पताल में लाया है। जब बेटी वहां पहुंची तो युवक ने मोबाइल और स्कूटी चाबी देकर वहां से चला गया। पता चला है कि वहीं उसे स्कूटी पर बैठाकर अस्पताल लाया था। जिससे बेटी के पैर में गंभीर चोट आई है। पीएम के पहले जब छोटी बेटी ने बहन का शव देखा तो उसके प्राइवेट पार्ट से खून निकलने की बात कहीं और शरीर पर चोट के निशान भी है। पिता ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि किसी चीज से मारा है। पिता ने यह भी बताया कि जो युवक उसे अस्पताल लेकर गया था वह कुछ साल पहले उसके साथ ही एक शो-रुम में काम करता था।

इंदौर में एक्सीडेंट में डिलेवरी बॉय की मौत

प्रतियोगी परीक्षा की भी कर रहा था तैयारी, पिता खेती करते है

इंदौर ● संवाददाता

राऊ थाना क्षेत्र में एक डिलीवरी बॉय की एक्सीडेंट में मौत हो गई। घटना के बाद उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर उसका जिला अस्पताल में पीएम करवाया। परिजन ने बताया कि युवक प्रतियोगी परीक्षा की भी तैयारी कर रहा था। राऊ थाने के प्रधान आरक्षक यशवंत सिंह भाटी ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात की है, इसमें रूपेश (26) पिता शांतिलाल आर्य निवासी ग्राम कुटवाडी, जिला बड़वानी की मौत हो गई। दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास बायपास पर एक्सीडेंट हुआ था। घटना बाद युवक को इलाज के लिए ट्रामा अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इलाज के दौरान शनिवार सुबह युवक की मौत हो गई थी। युवक अपने परिजन के यहां सिलीकॉन सिटी से मिलकर वापस जा रहा था। तभी अज्ञात वाहन से एक्सीडेंट हुआ है। राऊ थाने पर मर्ग कायम किया गया और मामले की जांच की जा रही है। जिला अस्पताल में युवक का पीएम करवाया गया है। युवक के काका संदीप आर्य ने बताया कि रूपेश प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था और पार्ट टाइम में डिलीवरी बॉय का काम करता था। घटना शुक्रवार रात करीब 1 बजे के आसपास हुई है। रात में फोन पर एक्सीडेंट की सूचना मिली, जिसके बाद अस्पताल पहुंचे। मगर इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक के पिता किसान है। परिवार में रूपेश के अलावा एक भाई व दो बहनें है।

एमडी छात्रों की याचिका पर हाई कोर्ट सख्त

परीक्षा प्रक्रिया में डीन को हस्तक्षेप न करने के निर्देश; प्रेक्टिकल परीक्षा पर लगाई थी रोक

इंदौर ● संवाददाता

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के एमडी छात्रों की प्रायोगिक और वाइवा परीक्षा को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट इंदौर ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिए हैं कि वह कॉलेज से भेजी गई परीक्षक सूची पर शीघ्र निर्णय ले। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि स्वीकृति मिलने के बाद परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी। याचिका में कहा गया था कि कॉलेज प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय की तय प्रक्रिया के विपरीत परीक्षकों का नया पैनल तैयार किया गया और उसी के आधार पर 10 से 13 जनवरी 2026 के बीच प्रायोगिक परीक्षा प्रस्तावित की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इस पैनल और विश्वविद्यालय की स्वीकृति को अवैध बताते हुए निरस्त करने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट भुवन गौतम ने यह भी तर्क दिया गया कि विश्वविद्यालय की अधिसूचना दिनांक 23 फरवरी 2024 के तहत External Examiner Mapping for Practical Exams (MPMSU वेब एप्लीकेशन) – INTELLI EXAMS पोर्टल के माध्यम से परीक्षक सूची और परीक्षा तिथि अपलोड की जानी थी, लेकिन निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इससे परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। कोर्ट को यह भी बताया गया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, फैक्ल्टी डॉ. शिखा घनघोरिया व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा परीक्षा प्रक्रिया में हस्तक्षेप की आशंका है।

अर्धनग्न और घायल अवस्था में मिली महिला

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में शनिवार को एक महिला अर्धनग्न और घायल अवस्था में मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। डीसीपी कुमार प्रतीक ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सुगनी देवी ग्राउंड पर एक महिला घायल हालत में पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को एफआरवी के माध्यम से एमवाय अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज चल रहा है। यह जानकारी भी सामने आई है कि महिला का उठना-बैठना नशेड़ी लोगों के साथ रहा है और पूर्व में उनके साथ अपराध भी किए गए हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। महिला 30 साल की है और तीन बच्चों की मां है। ग्राउंड में ही महिला घायल अवस्था में थी, वह अर्धनग्न हालत में थी। महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं संभावना है कि महिला के साथ कुछ गलत हुआ है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। फिलहाल कोई परिवार का व्यक्ति सामने नहीं आया है।

ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले 2 पकड़ाए

इंदौर। हीरा नगर पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो बदमाशों को पकड़ा। उनके पास से 13.30 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की, जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर और भी जानकारी निकाल रही है। हीरा नगर पुलिस की टीम इलाके में भ्रमण कर रही थी। इस दौरान संदिग्धों को चेक किया जा रहा था। आदित्य गेटवे बिल्डिंग के पीछे नाले के पास एमआर-10 रोड पर पुलिस की टीम पहुंची, जहां पर दो युवक संदिग्ध हालत में बाइक पर खड़े दिखे। पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने लगे तो पुलिस ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा। उनका नाम पूछने पर एक ने रोहन कदम (24) निवासी भाग्यलक्ष्मी कॉलोनी और दूसरे ने गोपाल उर्फ दीपक अहिरवार (23) निवासी हीरानगर होना बताया। उनकी तलाशी ली तो उनके पास थैली में ब्राउन शुगर मिली। जिसका वजन 13.30 ग्राम थैली सहित मिला। जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया और आगामी कार्रवाई कर रही है।

जबलपुर में शैक्षिक कार्य के लिए ली जमीन..बना लिया अस्पताल

ईओडब्ल्यू ने तहसीलदार-सोसायटी चेयरमैन पर दर्ज की एफआईआर, निगम को 3.5 करोड़ की चपत

जबलपुर ● संवाददाता

जबलपुर नगर निगम की शैक्षणिक उपयोग के लिए दी गई लीज भूमि के दुरुपयोग का बड़ा मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) ने जॉय एजुकेशन सोसायटी के तत्कालीन चेयरमैन अखिलेश मेवन और तत्कालीन तहसीलदार हरि सिंह धुर्वे के खिलाफ FIR दर्ज की है। जांच में नगर निगम को करीब 3.50 करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति होना सामने आया है।

EOW जांच के अनुसार, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के तहत नगर निगम जबलपुर ने प्लॉट नंबर-440, डाइवर्जन शीट नंबर-152, कुल 7500 वर्गफुट भूमि को शैक्षणिक कार्य के लिए 30 वर्ष की लीज पर जॉय एजुकेशन सोसायटी को आवंटित किया था। लीज की शर्तों में स्पष्ट उल्लेख था कि भूमि का उपयोग केवल शिक्षा के लिए किया जाएगा।

2020 में समाप्त हुई लीज

शैक्षणिक उपयोग के लिए दी गई यह लीज वर्ष 2020 में समाप्त हो गई थी। इसके बाद सोसायटी की ओर से आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर 22 अप्रैल 2022 को पुनः 30 वर्ष के लिए लीज अवधि बढ़ाई गई।

अनुमति के बिना अस्पताल निर्माण

जांच में यह तथ्य सामने आया कि लीज नवीनीकरण के बाद नगर निगम की अनुमति के बिना भूमि पर अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। जबकि लीज दस्तावेज में स्पष्ट था कि शैक्षणिक उपयोग के अलावा किसी अन्य गतिविधि के लिए निगम की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। EOW जांच में यह भी सामने आया कि तत्कालीन तहसीलदार हरि सिंह धुर्वे के साथ कथित साजिश कर लीज भूमि को अवैध रूप से अपने नाम दर्ज करवा लिया गया, जबकि इसके लिए कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए।

3.5 करोड़ की सरकारी संपत्ति को नुकसान

यह भूमि जबलपुर शहर के महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित है। कलेक्टर गाइड लाइन के अनुसार इसकी वर्तमान कीमत करीब 3.50 करोड़ रुपए आंकी गई है। जांच में शासन को इतनी ही आर्थिक क्षति पहुंचना प्रमाणित हुआ है।

इन धाराओं में मामला दर्ज कर जांच हुई शुरू

EOW ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 316(5), 61(2) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की धारा 7(सी) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

नर्सिंग स्टूडेंट ने खुद को मारी गोली...सीने में धंसी बुलेट,मौत

बेटे की लाश देखकर मां बेहोश; एक दिन पहले ग्वालियर से आया था दतिया

दतिया ● संवाददाता

मध्यप्रदेश के दतिया जिले में शनिवार सुबह महिला सरपंच के बेटे ने अपने घर में कट्टे से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। फायरिंग की आवाज सुनते ही मां मौके पर पहुंची। बड़ा बेटा खून से सना पड़ा था। बेटे को देखकर मां बेहोश हो गई। मामला इंदरगढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान सिकरी ग्राम पंचायत की सरपंच सुशीला के बेटे विशाल जाटव के रूप में हुई है। वह ग्वालियर में GNM (नर्सिंग) की पढ़ाई कर रहा था। फाइनल ईयर का स्टूडेंट था। सुसाइड की वजह अभी सामने नहीं आई है।

एक दिन पहले ही ग्वालियर से गांव आया था विशाल

मृतक के छोटे भाई ने बताया कि विशाल किसी तरह के तनाव की बात साझा नहीं करता था। एक दिन पहले ही ग्वालियर से सिकरी गांव आया था। सुबह मैं ऊपर के कमरे में नहा रहा था। मां सुशीला जाटवकपड़े धो रही थी, तभी फायरिंग की आवाज आई। इसी दौरान आवाज सुनते ही मां के साथ मौके पर पहुंचे। एक तरफ बड़े भाई गिरे पड़े थे, दूसरी ओर कट्टा रखा था। विशाल के सीने में गोली लगी थी। उसके सीने से खून बह रहा था। विशाल को तत्काल ग्वालियर लेकर रवाना हुए, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विशाल जाटव, मृतक

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

वहीं वारदात के बाद परिजनों ने इंदरगढ़ पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार ऑडी ने परिवार को रौंदा...बाप-बेटे समेत 3 मौतें

रीवा में शादी का न्योता देने जा रहे थे; बाइक के परखच्चे उड़े

रीवा ● संवाददाता

रीवा में तेज रफ्तार ऑडी कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। तीनों सवार उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में पिता, छोटे बेटे और भांजी की मौके पर मौत हो गई।

यह दर्दनाक हादसा शनिवार दोपहर रीवा-रायपुर मार्ग पर कोष्टा गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रायपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही ऑडी कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

भगवान को पहला निमंत्रण कार्ड देने जा रहे थे

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान भागवत विश्वकर्मा, शिवम विश्वकर्मा और शीतल विश्वकर्मा के रूप में हुई है। तीनों एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, भागवत विश्वकर्मा के बेटे शुभम की 25 फरवरी को शादी तय थी। हिंदू परंपरा के अनुसार शादी का पहला निमंत्रण भगवान को अर्पित किया जाता है। इसी रस्म को निभाने के लिए परिवार बाइक से चिरहुला नाथ मंदिर जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

ऑडी कार जब्त, ड्राइवर फरार

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। ऑडी कार को जब्त कर लिया गया है, जबकि हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

नर्सिंग स्टाफ का नियमितीकरण 18 महीने से लंबित, की 80 शिकायतें

दतिया। दतिया में मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग स्टाफ ने 18 महीने से जारी परीविक्षा अवधि और नियमितीकरण के मामले में डीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। स्टाफ का कहना है कि उन्हें समय पर नियमित किया जाना चाहिए था, लेकिन प्रबंधन लगातार टालमटोल कर रहा है। वे लगातार 18 महीनों से डीन के कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, फिर भी उनकी नियमित नियुक्ति नहीं हो रही है। इससे न सिर्फ उनकी नौकरी अस्थिर हुई है, बल्कि वे मानसिक और आर्थिक रुप से भी टूटते जा रहे हैं।

कहा- शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे

नर्सिंग स्टाफ ने आरोप लगाया कि डीन उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेने को तैयार नहीं हैं और न ही उन्होंने किसी भी तरह की स्पष्ट जानकारी दी कि उनकी परीविक्षा अवधि कब पूरी होगी। उनका कहना है कि डीन के पास इस मामले में कोई स्पष्ट जवाब नहीं है और यही अनिश्चितता उन्हें लगातार परेशान कर रही है। कई स्टाफ के ऊपर लोन चल रहा है और कई लोग बाहर से आकर रह रहे हैं, जिनका खर्चा भी चल नहीं पा रहा है। वे बताते हैं कि वे 18 महीने से 100 फीसदी वेतन के साथ नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं, लेकिन डीन उनकी बात सुनने तक को तैयार नहीं हैं।

नया डीन आने के बाद प्रक्रिया ठप

नर्सिंग स्टाफ ने यह भी कहा कि उनकी ज्वाइनिंग पुराने डीन के समय हुई थी और उसी समय उन्हें नियमित करने की प्रक्रिया शुरु होनी थी। लेकिन नए डीन के आने के बाद यह प्रक्रिया ठप पड़ गई है। स्टाफ ने बताया कि उन्होंने कई बार डीन को पत्र और मौखिक रुप से अनुरोध किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। डीन उनसे कहते हैं कि पुराने डीन ने उनकी नियुक्ति की थी वही उनका नियमितीकरण भी करेंगे। यही कारण है कि उन्होंने अपनी आवाज उठाते हुए सीएम हेल्पलाइन पर 80 से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई हैं, ताकि उनकी समस्या पर प्रशासनिक स्तर पर ध्यान दिया जाए। अब नर्सिंग स्टाफ ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी नियमितीकरण की मांग पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे कलेक्टर और स्वास्थ्य मंत्री को भी ज्ञापन सौंपेंगे।

केन-बेतवा लिंक परियोजना पर आदिवासी महिलाओं का विरोध

दौड़न बांध स्थल पर अधिकारों की गारंटी तक आंदोलन नहीं रोकने का ऐलान

छतरपुर ● संवाददाता

छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत दौड़न बांध स्थल पर आदिवासी महिलाओं का विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन (शनिवार) भी जारी रहा। सैकड़ों की संख्या में मौजूद महिलाओं ने स्पष्ट किया कि जब तक उनके अधिकारों की कानूनी गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक आंदोलन नहीं रुकेगा।

स्थिति को संभालने के लिए दूसरे दिन एसडीएम विजय द्विवेदी, तहसीलदार, कई पटवारी और पुलिस बल सहित प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने निर्माण कार्य से जुड़े मुद्दों पर महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी महिलाओं और प्रशासन के बीच बहस हो गई। महिलाओं ने प्रशासन की मनमानी के विरोध में जोरदार नारेबाजी की और उन्हें खाली हाथ लौटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने प्रशासन पर कानून की खुली अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे अब प्रशासन की मनमानी और तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेंगी। प्रदर्शनकारी महिलाओं के आक्रोश और एकजुटता को देखते हुए प्रशासन बिना किसी सहमति के वापस लौट गया।

बोलीं- हक-अधिकार सुनिश्चित किए जाएं

महिलाओं ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष केवल मुआवजे तक सीमित नहीं है, बल्कि जल-जंगल-जीवन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है। उनका कहना है कि जब तक उनके हक और अधिकार सुनिश्चित नहीं किए जाते, तब तक वे बांध स्थल से नहीं हटेंगी। प्रदर्शन में सहयोग कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर ने कहा कि प्रशासन अब भी कानून का पालन करने को तैयार नहीं है। उन्होंने प्रशासन से अपनी तानाशाही छोड़कर कानून और मानवता के रास्ते पर आने का आग्रह किया। भटनागर ने जोर दिया कि संवाद के सभी रास्ते अभी खुले हैं और कलेक्टर तथा वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि झूठे वादों और खोखली बातों से अब लोग मानने वाले नहीं हैं, और यदि समय रहते सार्थक संवाद नहीं हुआ, तो जनता का आक्रोश और बढ़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आंदोलनकारी संवाद के पक्षधर हैं, लेकिन वह संवाद कानून के दायरे में और सम्मान के साथ होना चाहिए।

रतलाम के हरथल में उल्टी-दस्त के 6 मरीज मिले

रतलाम। रतलाम के गांव हरथल में शनिवार को उल्टी दस्त के मरीज मिले। प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंची। उल्टी दस्त के 6 रोगी पाए गए। लोगों ने हैंडपंप का पानी पीने की बात बताई। हैंड पंप चलाकर अधिकारियों ने देखा तो काई युक्त पानी आया। पानी का सैंपल लेकर पीएचई विभाग को जांच के लिए दिया है। सैलाना एसडीएम तरुण जैन ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रावटी अंतर्गत हरथल मे उल्टी दस्त के मरीज की सूचना प्राप्त हुई थी। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर क्षेत्र में डॉ. दीपक मेहता, सेक्टर सुपरवाइजर एमएल डाबी, सीएचओ हरथल राजू हारी व आशा सुपरवाइजर नीता गरवाल एवं आशा कार्यकर्ता की सर्वे टीम भेजी गई। हरथल स्थित हैंडपंप के पानी में काई युक्त पानी की बात सामने आई। तत्काल हैंडपंप के पानी का सैंपल लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भेजा गया। हैंडपंप में पानी साफ नहीं आने तक पीने के पानी के लिए टैंकर उपलब्ध करवाने के लिए ग्राम पंचायत को निर्देशित किया है। एचडब्लूसी हरथल टीम को क्षेत्र में अगले 7 दिन तक निगरानी कर रिपोर्ट देने के लिए आदेशित किया है।

45 घरों का किया सर्वे

सर्वे टीम द्वारा क्षेत्र के 45 घरों में 291 ग्रामीणों का सर्वे किया गया। सर्वे में कुल 6 उल्टी दस्त के रोगी पाए गए। जिसनें 4 बच्चे हैं व दो बड़े हैं। सभी सामान्य दस्त के रोगी है जिनका उपचार किया जा रहा है। सभी की हालात ठीक है। सैलाना एसडीएम तरुण जैन ने बताया हमारे द्वारा रुटीन जांच की जा रही है। शनिवार को दो लोगों को उल्टी दस्त की जानकारी मिली थी। टीम भेज कर जांच कराई है, जिसमें 6 रोगी पाए गए हैं। हैडपंप को चलाकर देखने पर काई आई है, जिसके पानी का सैंपल लिया है। टीम 7 दिन निगरानी रखेगी।

निजी स्कूल कर्मचारी ने तीसरी की छात्रा से की छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर ● संवाददाता

अनूपपुर जिला मुख्यालय के एक निजी स्कूल में तीसरी कक्षा की छात्रा के साथ अश्लील छेड़खानी का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार शाम आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, स्कूल में काम करने वाले 40 वर्षीय चंद्रप्रकाश पटेल पर आरोप है कि उसने 8 साल की मासूम बच्ची के साथ 'बैड टच' और छेड़खानी की। छात्रा की मां ने शनिवार दोपहर थाने पहुंचकर इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा ने तुरंत टीम के साथ स्कूल पहुंचकर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस (BNS) की धाराओं और पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) के तहत केस दर्ज किया है। शनिवार रात होने के कारण आरोपी को जेल भेज दिया गया था। अब पुलिस उसे रविवार को कोर्ट में पेश करेगी।

जबलपुर में पुलिस ने बदमाश को पकड़ा, लगे नारे : इलाके में जुलूस निकाला तो महिलाएं बोली- यह जेल से छूटना नहीं चाहिए

जबलपुर ● संवाददाता

"शिब्बू खान मुर्दाबाद" का नारा शनिवार को जबलपुर के उस इलाके में गूंजा, जहां की जनता कुख्यात बदमाश के आतंक से परेशान थी। हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट और अवैध वसूली जैसे मामलों में लिप्त बदमाश शिब्बू खान को गिरफ्तार करने के बाद गढ़ा थाना पुलिस ने उसका और उसके साथी का उसी क्षेत्र में जुलूस निकाला, जहां उसने दहशत फैला रखी थी।

2 और 3 फरवरी को शिब्बू खान ने अपने साथी के साथ मिलकर छुईखदान निवासी लालू पटेल से 20 हजार रुपये की मांग की थी। रकम देने से इनकार करने पर उसने पिस्टल से फायरिंग कर दी थी।

लम्हेटाघाट से पकड़ा गया

फायरिंग की वारदात के बाद शिब्बू खान अपने साथी अतुल साहू के साथ फरार हो गया था। गुरुवार रात गढ़ा थाना पुलिस को सूचना मिली कि वह लम्हेटाघाट में है और एक्टिवा से भेड़ाघाट की ओर जा रहा है। पुलिस ने घेराबंदी की। पकड़ने की कोशिश के दौरान आरोपी भागने लगा और गिरने से उसके पैर में गंभीर चोट आ गई। शनिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उन्हें छुई खदान क्षेत्र ले गई, जहां जुलूस निकाला गया। इस दौरान स्थानीय महिलाएं और बच्चों ने मुर्दाबाद के नारे लगाए। स्थानीय निवासी शालिनी पटेल ने बताया कि शिब्बू खान की गिरफ्तारी से पूरा मोहल्ला खुश है। महिलाओं का कहना है कि वह किसी भी कीमत पर जेल से बाहर नहीं आना चाहिए, क्योंकि बाहर आते ही फिर अपराध में लिप्त हो जाएगा। उनका कहना है कि उसके डर से महिलाएं घर से निकलने में डरती थीं और बच्चे स्कूल नहीं जा पाते थे।

हर बदमाश का यही हाल होगा

सीएसपी आशीष जैन ने बताया कि शिब्बू खान को पहले भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, लेकिन जमानत पर छूटने के बाद उसने दोबारा अपराध किया। 2 और 3 फरवरी को उसने साथियों के साथ मिलकर लालू पटेल पर फायरिंग कर हत्या का प्रयास किया था।

मध्यप्रदेश भाजपा ने 62 जिला प्रभारियों की नियुक्ति की

भोपाल ● संवाददाता

मध्य प्रदेश भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती के उद्देश्य से 62 जिला प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। शनिवार को प्रदेश नेतृत्व द्वारा जारी सूची के अनुसार विभिन्न जिलों में वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा संगठन के अनुसार, जिला प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों की निगरानी, कार्यकर्ताओं से समन्वय और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की तैयारी को मजबूती देंगे। इसके साथ ही सरकार की योजनाओं और संगठनात्मक अभियानों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की जिम्मेदारी भी जिला प्रभारियों की होगी। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन नियुक्तियों से जिलों में संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा और आगामी चुनावी तैयारियों को गति मिलेगी।

जाने किसे कहा मिली जिम्मेदारी

मुरैना- राजू बाथम, भिंड- हमीर सिंह पटेल, दतिया- गजेंद्र सिकरवार। ग्वालियर नगर- गोपीकृष्ण नेमा, ग्वालियर ग्रामीण- गोपाल आचार्य, श्योपुर-कमल माखीजानी, शिवपुरी- डॉ. नंदकिशोर नापित, गुना-राजेंद्र राजपूत, अशोकनगर-शैलेन्द्र जैन। सागर- लोकेंद्र परासर, सागर ग्रामीण- सदानन्द गौतम, टीकमगढ़- पुष्पेन्द्रनाथ पाठक,

निवाड़ी-दीपक सिंह भदौरिया, छतरपुर- नीरज मनोरिया, दमोह-अर्चना सिंह, पन्ना- जाहर सिंह, रीवा-रविन्द्र चौहान, मऊगंज- शशांक श्रीवास्तव, सतना- जीएस ठाकुर, मैहर- नंदिता पाठक, सीधी- नरेंद्र त्रिपाठी, सिंगरौली- विनोद यादव, शहडोल- अभिलाष पांडेय, अनुपपूर-संजय साहू, उमरिया- राजेंद्र पाण्डेय, जबलपुर नगर-आलोक संजर, जबलपुर ग्रामीण- मनीषा सिंह, कटनी- सुजीत जैन, डिण्डौरी- कमल प्रताप सिंह, मण्डला- रमेश भटेरे, नरसिंहपुर- शरद जैन, बालाघाट- अभिलाष मिश्रा, सिवनी- अशोक रोहणी, छिंदवाड़ा- आदित्य शुक्ला, पांढुर्णा- दीपांकर बैनर्जी, नर्मदापुरम- अलेकेश आर्य, हरदा- प्रभूराम चौधरी, बैतूल-सुदर्शन गुप्ता, भोपाल नगर-जसवंत सिंह हाडा, भोपाल ग्रामीण- प्रदीप लारिया, रायसेन- राजो मालवीय, विदिशा- सीताराम यादव, सीहोर-विकास वीरानी, राजगढ़-ध्रुवनारायण सिंह, इंदौर नगर- राजेश सोलंकी, इंदौर ग्रामीण- शैलेन्द्र डागा, धार- सुभाष कोठारी, धार ग्रामीण- राधेश्याम यादव, अलीराजपुर- दिलीप पटोदिया, झाबुआ- राजेंद्र राठौर, खंडवा- अम्बाराम कराड़ा, बुरहानपुर-क्षितिज भट्ट, खरगौन- संगीता सोनी, बड़वानी- बाबूलाल यादव, उज्जैन नगर- बजरंग पुरोहित, उज्जैन ग्रामीण- बबीता परमार, शाजापुर- प्रभूलाल जाटव, आगर-जयदीप पटेल, देवास-धनंजय शर्मा, रतलाम- विवेक जोशी, मंदसौर- दिलीप सकलेचा, नीमच सुभाष पटेल (पूर्व सांसद)।

भोपाल एक्सप्रेस में चूहा जलने से आग का अलार्म

पटरी पर उतरे यात्री; मालगाड़ी की सूचना के बीच अचानक चली ट्रेन, स्टेशन पर हंगामा

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल एक्सप्रेस के बी-2 कोच में शनिवार रात अचानक आग का अलार्म बजते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद ट्रेन में अनाउंसमेंट हुआ कि कोच में आग लगी है। घटना रात करीब 10:45 बजे की है। तब ट्रेन चेतक ब्रिज के पास थी। अलार्म और अनाउंसमेंट के बाद घबराए यात्री ट्रेन से उतरकर सीधे पटरी पर आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोच के भीतर कुछ जलने की तेज स्मेल आ रही थी। अनाउंसमेंट में किचन एरिया में आग लगने की बात कही गई। यात्रियों से तुरंत ट्रेन खाली करने को कहा गया। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर एक मालगाड़ी के आने की सूचना मिली, जिससे स्थिति और ज्यादा गंभीर हो गई। यात्री खुले ट्रैक पर खड़े थे और किसी भी तरह की चूक बड़ा हादसा

बन सकती थी।

जल्दबाजी में ट्रेन में चढ़ने लगे यात्री

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनी, जब यात्रियों के पटरी पर रहते हुए ही भोपाल एक्सप्रेस को बिना किसी स्पष्ट समन्वय के आगे बढ़ा दिया गया। अचानक ट्रेन चलने से यात्री घबराकर जल्दबाजी में दोबारा चढ़ने लगे। कई यात्री गिरते-पड़ते बचे। यात्रियों का कहना है कि अगर ट्रेन कुछ सेकंड पहले चलती या मालगाड़ी नजदीक आ जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

भोपाल स्टेशन पर हंगामे, आधे घंटे रुकी ट्रेन

भोपाल स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों के हंगामे के बाद ट्रेन को करीब आधे घंटे तक रोका गया। यहां एक कोच अटेंडेंट ने यात्रियों को बताया कि कोच की वायरिंग में फंसा एक चूहा जल गया था, जिससे धुआं और जलने की बदबू फैली और आग का अलार्म सक्रिय हो गया। यात्रियों का आरोप है कि इस जानकारी के बावजूद मौके पर न तो तत्काल तकनीकी जांच की गई और न ही स्थिति को लेकर स्पष्ट और जिम्मेदार अनाउंसमेंट हुआ। घटना के दौरान कई यात्रियों ने फोटो और वीडियो भी रिकॉर्ड किए हैं। यह पूरा मामला रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था, कोच में मेंटेनेंस और आपातकालीन तालमेल पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सीएम सचिवालय में दो पूर्व आईएएस की ओएसडी सेवावृद्धि

गोपाल और राजेश की संविदा अवधि बढ़ाई, अजातशत्रु लेंगे महेश की जगह

भोपाल ● संवाददाता

सीएम सचिवालय में दो रिटायर्ड आईएएस और आईएफएस अफसरों को फिर संविदा नियुक्ति दी गई है। वहीं एक अन्य की नियुक्ति के आदेश भी जारी हो गए हैं। इन अधिकारियों ने सीएम के ओएसडी बतौर काम शुरू कर दिया है।

रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी राजेश हिंगणकर और रिटायर्ड आईएएस अफसर गोपाल चंद्र डाड को राज्य शासन ने एक साल की संविदा नियुक्ति और दे दी है। वे पहले से ही सीएम सचिवालय में संविदा पर काम कर रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने इनकी संविदा सेवा में वृद्धि का आदेश जारी कर

दिया है। डाड की संविदा नियुक्ति संबंधी आदेश जनवरी 2025 में जारी किए गए थे, इन्हीं शर्तों के आधार पर उनकी सेवाएं एक साल के लिए बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ओएसडी के बतौर डाड की सेवाएं सिंहस्थ मामलों में सलाहकार के रूप में है। दूसरी ओर रिटायर्ड आईपीएस राजेश हिंगणकर संविदा नियुक्ति अवधि में वृद्धि के साथ मुख्यमंत्री के ओएसडी के तौर पर काम करते रहेंगे।

अजातशत्रु लेंगे महेश चौधरी की जगह

उधर एक अन्य रिटायर्ड अधिकारी अजातशत्रु श्रीवास्तव भी सीएम के ओएसडी के बतौर काम में लग गए हैं। इनकी नियुक्ति को मंजूरी मिल गई है। अजातशत्रु को पूर्व आईएएस महेश चौधरी के स्थान पर ओएसडी बनाया गया है। चौधरी के बाद चार माह से यह पद रिक्त था। सीएम के ओएसडी बनने वाले अजातशत्रु इसके पहले भी सीएम सचिवालय में ओएसडी और अन्य रूप में सेवाएं दे चुके हैं। वे पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी सेवाकाल के दौरान ओएसडी रह चुके हैं।

भोपाल में बैंककर्मी ने फांसी लगाकर सुसाइड किया : बुआ के घर के पिछले हिस्से में पेड़ पर लटका मिला शव

भोपाल। भोपाल के टीला जमालपुरा इलाके में रहने वाले बैंककर्मी ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। शनिवार सुबह बॉडी पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकी मिली है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। हिमांशु रायकवार पिता सुनील कुमार रायकवार (28) रेजीमेंट रोड टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। शनिवार सुबह परिजनों ने घर के पिछले हिस्से में मूंगे के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की। बॉडी को पीएम के लिए रवाना किया। मृतक के कपड़ों की तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन को कब्जे में ले लिया है। जिसकी जांच कराई जा रही है।

बैंक में जॉब करता था

मृतक एक सरकारी बैंक में आउटसोर्स कर्मचारी था और प्यून की नौकरी करता था। वह मूल रुप से इटारसी का रहने वाला था। बीते पांच सालों से भोपाल में अपनी बुआ के घर रह रहा था। परिजनों ने पुलिस को आत्महत्या के लिए कोई ठोस कारण नहीं बताया। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल पर मामले की जांच की जा रही है।

राजा बनकर हिंदू युवती से रेप, अश्लील वीडियो बनाए

भोपाल में लोगों ने उठक-बैठक लगवाई, बेल्ट से पीटा; आरोपी यूपी का रहने वाला

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के बगरौदा औद्योगिक इलाके में लव जिहाद का मामला सामने आया है। आरोपी उवेज नामक युवक ने खुद को 'राजा' बताकर हिंदू युवती को प्रेमजाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने युवती के अश्लील फोटो और वीडियो भी मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए।

पीड़िता का आरोप है कि बाद में आरोपी ने उन फोटो-वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया। जब युवती को पता चला कि आरोपी का असली नाम राजा नहीं बल्कि उवेज है, तब उसने विरोध किया, लेकिन आरोपी ब्लैकमेल करता रहा।

एक साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

पुलिस के अनुसार, पीड़िता मूल रूप से बैतूल जिले की रहने वाली है और करीब डेढ़ साल से अपने परिवार के साथ बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में टीनशेड की झुग्गी में रह रही थी। परिवार वहीं स्थित फैक्ट्री में काम करता है। आरोपी उवेज, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, उसी इलाके में रहकर एक फैक्ट्री में काम करता था। पास-पास रहने के कारण दोनों की पहचान हुई और करीब एक साल पहले प्रेम-प्रसंग शुरू हुआ।

हिंदू संगठनों ने आरोपी को पकड़ा

कुछ दिन पहले इस पूरे मामले की जानकारी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को लगी। इसके बाद वे युवक और युवती पर नजर रखे हुए थे। शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे दोनों को साथ देखकर संगठन के

कार्यकर्ताओं ने आरोपी को मौके पर पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

एम्स से युवती को थाने लाई पुलिस

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया, लेकिन युवती उस समय लापता थी। बाद में पता चला कि उसका भाई एम्स अस्पताल में भर्ती है। पुलिस एम्स पहुंची और महिला अधिकारी की मौजूदगी में युवती को थाने ले आई।

कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

युवती की शिकायत पर शनिवार को कटारा हिल्स थाने में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामले की जांच जारी है।

अब मंत्री वर्मा ने अफसरों को बताया करप्ट

बोले- कई तहसीलदारों को मैंने सस्पेंड किया, बेईमान आदमी आदत नहीं छोड़ता; रिश्वतखोर को बताया राष्ट्रद्रोही

भोपाल ● संवाददाता

मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने राजगढ़ में करप्शन को लेकर कहा कि थोड़ा बहुत तो हर जगह चलता है, लेकिन जो रिश्वत लेता है, वह राष्ट्रद्रोही है। चाहे मैं हूं या कोई भी हो। मैं 8 चुनाव जीता हूं। जनता ने विश्वास किया। गांव का किसान हूं, लेकिन रिश्वत लेने का मन नहीं करता है।

इससे पहले मंत्री करण सिंह ने लाड़ली बहना योजना की लाभार्थियों को धमकाया था। उन्होंने कहा था कि एक दिन सभी लाड़ली बहनों को बुलाएंगे। अगर वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं, तो योजना से नाम काट दिए जाएंगे। हालांकि बाद में अपने बयान से पलट गए थे। बेईमान आदमी अपनी आदत नहीं छोड़ता राजगढ़ में मीडिया से मंत्री वर्मा ने कहा कि बेईमान व्यक्ति किसी भी पद पर हो, उसकी प्रवृत्ति नहीं बदलती। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बेईमान आदमी को चाहे मंत्री, तहसीलदार, इंजीनियर बना दो या मजदूरी करने को कह दो, वह अपनी आदत नहीं छोड़ता। मजदूर जब जर्दा खाता है तो 5 बार

थूकता है। मंत्री वर्मा यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि बेईमान आदमी कहीं भी छोटे मोटे तो..ऐसा नहीं है कि मैं दावा कर रहा हूं। कई तहसीलदार हैं, जिन्हें मैंने सस्पेंड किया है। आपके यहां (राजगढ़) आया तो सस्पेंड किया। आष्टा में गया और सीमांकन पर सस्पेंड किया है। सिवनी गया, वहां भी सस्पेंड किया है। कलेक्टर पहले बोले देते हैं ठीक कर देंगे मंत्री वर्मा ने कहा कि कलेक्टर पहले बोल देते हैं कि साहब, थोड़ा बहुत गलती सलती हो तो ठीक कर देंगे। मैं कहता हूं कि मुझे देखो, मैं भी काम कर रहा हूं। आप भी काम कर रहे हैं। ईमानदारी से राष्ट्रभक्ति से काम करें। रोटी बांधकर लाया हूं हम इंदौर जाते हैं, सर्किट हाउस में चाय आती है, नाश्ता आता है, लेकिन मेरे यहां सब बंद है। अपने खाने के लिए सब बांध के लाया हूं। टिफिन में रोटी बांधकर लाया हूं। जरूरत होगी तो मांग लूंगा। सरपंच के यहां मांग लूंगा।

2 दिन पहले सिहोर में कहा था- लाड़ली बहनों के नाम काट दिए जाएंगे

इसके पहले 5 फरवरी को मंत्री करण सिंह वर्मा का एक वीडियो सामने आया था। मंत्री सीहोर जिले के उप स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम में मंच से वे कह रहे थे कि ग्राम धामंदा में 894 लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की राशि दी जा रही है। इसके बावजूद सरकारी कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति बेहद कम रहती है। वे सीईओ से बात करते हुए कहते हैं कि एक दिन सभी लाड़ली बहनों को बुलाएंगे। अगर उस दिन भी वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं, तो उनकी रिपोर्ट भिजवाकर योजना से नाम कटवाने की कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल के कलियासोत नदी पर एक और ब्रिज बनेगा

भोपाल। भोपाल के कोलार इलाके से गुजरी कलियासोत नदी पर एक और ब्रिज बनेगा। 5 करोड़ रुपए से कालीवाड़ी ब्रिज तैयार होगा, जिससे करीब 5 लाख आबादी को फायदा मिलेगा। शनिवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने ब्रिज के लिए भूमिपूजन किया। फोरलेन अवध मार्ग पर कलियासोत नदी पर बनने वाले इस कालीबाड़ी ब्रिज की लंबाई 75 मीटर एवं चौड़ाई 10 मीटर होगी। ब्रिज का निर्माण पीडब्ल्यूडी अगले 8 महीने के अंदर करेगा। फिलहाल यह टूलेन ब्रिज है। जिस वजह से यहां अक्सर जाम की स्थिति निर्मित होती है। पहले से निर्मित ब्रिज के समानांतर इस ब्रिज के निर्माण से यहां फोरलेन ब्रिज आम नागरिकों को मिलेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक शर्मा ने कहा, सिक्सलेन रोड से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस रिंग रोड, कोलार तहसील कार्यालय, मुखर्जी स्टेडियम, विद्युत का डिवीजन कार्यालय, शासकीय डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी कॉलेज, अशोक सिंहल पॉवर हाउस, अवध मार्ग, मुखर्जी दीनदयाल लिंक (कोलार से कटारा) मार्ग जैसे अनेकों कार्य से मुखर्जी नगर कोलार को विकसित किया जा रहा है। इसके चलते आज मुखर्जी नगर कोलार में रोजगार और व्यापार के नवीन अवसर सृजित हो रहे हैं। व्यापार-व्यवसाय के नए-नए संस्थान यहां स्थापित हो रहे हैं।

खंडेलवाल के बाद मुख्यमंत्री मिले बीजेपी अध्यक्ष से

दिल्ली पहुंचकर डॉ. मोहन यादव ने मंत्री विजय शाह मामले पर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा की

भोपाल ● संवाददाता

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मुलाकात के दो दिन बाद शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिल्ली पहुंचे। यहां सीएम ने नितिन नवीन से मुलाकात की और मंत्री विजय शाह के मामले के साथ-साथ निगम-मंडल के पदाधिकारियों को लेकर चर्चा की।

सुप्रीम कोर्ट में मंत्री विजय शाह के विवादित बयान के मामले में अभियोजन स्वीकृति दिए जाने को लेकर 9 फरवरी को राज्य सरकार की ओर से जवाब दिया जाना है। माना जा रहा है कि सरकार इसके लिए कोर्ट से जांच के कुछ बिंदु बाकी बताकर समय की मांग कर सकती है।

इसके साथ इस मामले में क्या करना है? यह फैसला केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ा गया था। आज जब सीएम दिल्ली के लिए रवाना हुए, उसके पहले मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया को लेकर दिए गए बयान पर चौथी बार माफी मांगी। इसके बाद सीएम दिल्ली पहुंचे और केंद्रीय नेताओं के साथ मुलाकात के अलावा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी पूरे मामले को लेकर चर्चा की है।

धारकुंडी आश्रम के संस्थापक के परलोकगमन पर दुख

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सतना के धारकुंडी आश्रम के संस्थापक, परम पूज्य स्वामी परमहंस सच्चिदानंद महाराज के परलोक गमन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी परमहंस सच्चिदानंद महाराज का सम्पूर्ण जीवन सेवा, साधना और मानवता के कल्याण को समर्पित रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल अनुयायियों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की है।

भोपाल के आनंद नगर से मंदिर, वार्ड ऑफिस-पुलिस चौकी हटेगी

भोपाल। भोपाल के आनंद नगर तिराहे के पास से 3 मंदिर, वार्ड ऑफिस, पुलिस चौकी और सार्वजनिक शौचालय हटाने की कार्रवाई अगले हफ्ते होगी। अफसरों की माने तो 3 में से 2 मंदिर पूरे और एक आधा हटाया जाएगा। यहां विराजित भगवान की मूर्तियों को विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद दूसरे मंदिर में स्थापित किया जाएगा। तीनों मंदिर में भगवान शिव, हनुमान और मां दुर्गा की मूर्तियां स्थापित हैं। इस संबंध में मंदिर के पुजारियों से भी बात की गई है। तिराहे पर पुलिस चौकी को सामने खाली जगह पर शिफ्ट किया जा रहा है। वहीं, वार्ड ऑफिस की पास के वार्ड कार्यालय में शिफ्टिंग की जा रही है। निगम के सामुदायिक शौचालय को भी अगले तीन से चार दिन के अंदर हटाने की कार्रवाई होगी। आनंद नगर तिराहे पर शुक्रवार को कुल 146 दुकानों को हटाने की कार्रवाई हो चुकी है। सुबह से शाम तक दुकानें तोड़ दी गईं। कई दुकानदारों ने स्वैच्छा से ही दुकानें हटा ली थी। कुछ दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी यहां पहुंचे थे और दुकानें हटाने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। हालांकि, प्रशासन पहले ही मुआवजा वितरित कर चुका था। इसलिए लोगों ने स्वैच्छा से अपनी दुकानें हटाने का काम शुरु कर दिया था।

कांग्रेस को आम आदमी से जोड़ने नेताओं का मंथन

भोपाल ● संवाददाता

कांग्रेस और जनता के बीच संवाद के लिए बनाए गए कनेक्टर सेंटर की समीक्षा रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में की गई। इसमें प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर पर कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया गया और इसमें सुधार के लिए निर्देश दिए गए। खासतौर पर बूथ से पंचायत और वार्ड स्तर पर और एक्टिव होकर काम करने के लिए प्लान पर चर्चा की गई है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी चंदन यादव, पूर्व मंत्री एवं SIR प्रभारी सज्जन सिंह वर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री संजय कामले सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

राजनीति का गिरता स्तर, अंकुश कौन लगाए

वैसे तो राजनीति का अभिप्राय राजकाज चलाने वाली नीति से है। इसका एकमात्र मकसद समतामूलक सुसभ्य समाज का निर्माण करना और देश के चहुंमुखी विकास में योगदान देना है। लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह क्षरण कहां जाकर थमेगा, पुख्ता तौर पर कोई नहीं कह सकता। यह गिरावट एक दिन में नहीं आयी है। आजादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं और नीति नियंताओं ने काफी सोच-विचार कर समाज और देश के विकास का सपना देखा था। तब हमारी गिनती एक लुटे-पिटे गरीब देशों में होती थी। आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने का दावा करते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर तेजी से पाताल की ओर गिरते जा रहे हैं। पिछले दिनों संसद के भीतर- बाहर जो कुछ भी घटित हुआ, उससे हमारा लोकतंत्र और ज्यादा शर्मसार हुआ है। संसद के बाहर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक केन्द्रीय मंत्री को 'गद्दार दोस्त' कहकर पुकारा तो बदले में मंत्री ने उन्हें 'देश का दुश्मन' कह दिया। दोनों नेता कभी एक ही पार्टी में साथ रह चुके हैं। दोनों के पुरखों का देश के विकास में योगदान रहा है। बात इतने में थम जाती तो गनीमत थी। लोगबाग मान लेते कि हमउम्र होने के कारण दोनों ने मजाक में कुछ बोल दिया। बात बराबर। लेकिन यह क्या ? संसद में इस बात को लेकर बतंगड़ बना दिया गया। इसे समुदाय विशेष की अस्मिता से जोड़ दिया गया, खूब हंगामा हुआ। एक बड़बोले सांसद ने तो नेता प्रतिपक्ष को 'फटीचर' तक कह दिया। बेशक, तीनों ही शब्द माननीयों की गरिमा को गिराते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन हो गया।

अब दूसरी घटना। लगभग 22 वर्षों बाद संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में अपनी बात नहीं रख सके। इससे पहले 10 जून 2004 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को तब के विपक्ष (अब सरकार में) के विरोध के कारण संसद में बोलने नहीं दिया गया था। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के लिए दोनों ही घटनाएं शर्मसार करनेवाली हैं। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने यह बयान देकर सनसनी फैला दी कि प्रधानमंत्री तो संसद में आकर अपनी बात कहने को इच्छुक थे, उन्हें मैंने ही सदन में आने से रोक दिया, क्योंकि उनके साथ कुछ अप्रत्याशित घटना घट सकती थी। सवाल उठता है कि क्या भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद में हमारे प्रधानमंत्री असुरक्षित हैं ? अगर, वाकई यह बात सही है तो बहुत ही दुखदाई है। प्रधानमंत्री को किससे सुरक्षा का खतरा है ? संसद में तो जनता द्वारा चुने गए सांसद बैठते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए लोकसभा अध्यक्ष के बुलाने पर मार्शल आते हैं। लोकसभा अध्यक्ष को इसका खुलासा करना चाहिए। घटना की नामजद एफआईआर करानी चाहिए और नामजद व्यक्ति अगर संसद का सदस्य है तो उसकी सदस्यता रद्द करनी चाहिए। ... और अगर यह बात सही नहीं है तो लोकसभा अध्यक्ष को अपने कहे के लिए देश से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। अगर, देश के प्रधानमंत्री अपनी ही संसद में असुरक्षित हैं तो फिर देश में सुरक्षित कौन है ? गृहमंत्री क्या कर रहे हैं ? हमारी सुरक्षा एजेंसियां किसके आदेश का इंतजार कर रही हैं ?

दरअसल, लोकसभा में प्रधानमंत्री के आगमन से पहले विपक्ष की कुछ महिला सांसद वेल में पहुंच गयी थीं, कुछ प्रधानमंत्री के बैठने के स्थान के बाहर खड़ी थीं। उनके हाथ में तख्ती थी। यह कोई नई बात नहीं है। अपनी बात मनवाने अथवा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित करने के लिए सांसद अकसर वेल में पहुंचते रहते हैं। वे अपनी बात की तख्ती लिये विरोध भी करते रहे हैं। इससे वे अपराधी नहीं बन जाते। सांसद भी जनता के चुने हुए प्रतिनिधि होते हैं और प्रधानमंत्री भी पूरे देश के हैं। इसी तरह लोकसभा अध्यक्ष भी पूरे सदन के अभिभावक होते हैं। याद कीजिए सोमनाथ चटर्जी को। 2004 से 2009 तक वह लोकसभा के अध्यक्ष थे। लोकसभा अध्यक्ष बनते ही उन्होंने यह कहते हुए अपनी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था कि अब वह सांसदों के संरक्षक हैं। दल विशेष का सदस्य होकर वह ऐसा नहीं कर सकते। क्या ओम बिड़ला जी सोमनाथ चटर्जी का अनुसरण करेंगे ?

हालांकि, दूसरे दिन प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले लोकसभा की घटना का जिक्र तो किया लेकिन अपनी जान पर खतरा नहीं बताया। कहा कि, लोकसभा में एक बड़ी दर्दनाक घटना घटी। मंगलवार को आसन पर कागज फेंका गया। तब पीठासीन अध्यक्ष असम के एक सांसद थे।

डिजिटल युग में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2026 के ऐतिहासिक नियम परिवर्तन -एक समग्र विश्लेषण

लेखक - किशन सनमुखदास भावनानी

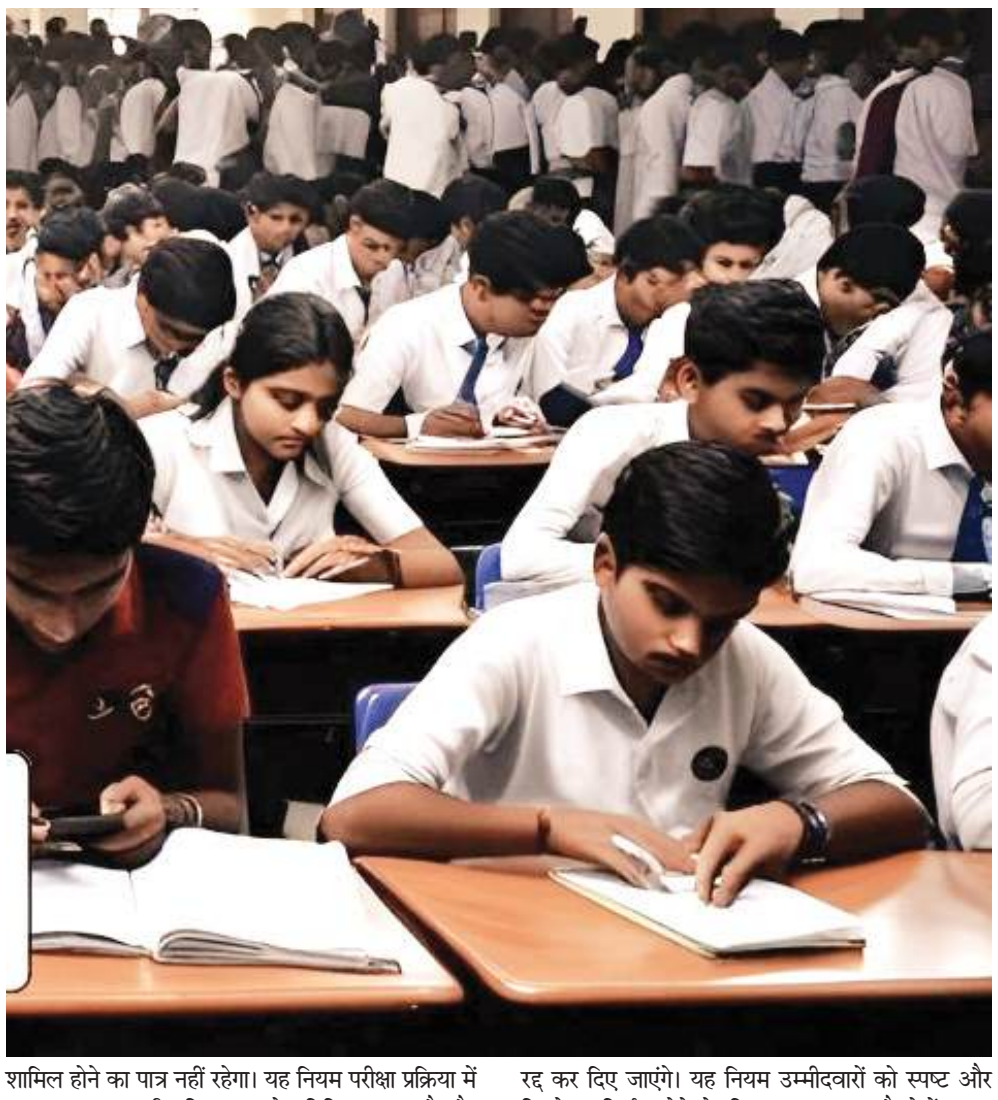

इसी पृष्ठभूमि में संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए जो नोटिफिकेशन 4 फरवरी 2026 को जारी किया है, वह केवल एक सामान्य भर्ती विज्ञापन नहीं,बल्कि भारत की प्रशासनिक भर्ती प्रणाली में एक ऐतिहासिक संरचनात्मक सुधार के रूप में देखा जा रहा है। यह नोटिफिकेशन न केवल उम्मीदवारों के लिए नियमों में भारी परिवर्तन करता है, बल्कि यह स्पष्ट संकेत भी देता है

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल युग में जहां एक ओर तकनीक ने ज्ञान,सूचना और अवसरों को वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक बनाया है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीक के दुरुपयोग ने परीक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी खड़े कर दिए हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत ही नहीं,बल्कि विश्व के अनेक देशों में उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, डिजिटल हैकिंग,प्रॉक्सी कैंडिडेट्स कोचिंग-माफिया गठजोड़ और मेरिट के क्षरण जैसी घटनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।भारत में नीट,रेलवे, राज्य लोक सेवा आयोगों और विभिन्न भर्ती बोर्डों की परीक्षाओं में सामने आए हैं मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि घोटालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक नियमों और ढांचागत कमजोरियों के साथ आधुनिक डिजिटल चुनौतियों का सामना करना अब संभव नहीं रह गया है। इसी पृष्ठभूमि में संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए जो नोटिफिकेशन 4 फरवरी 2026 को जारी किया है, वह केवल एक सामान्य भर्ती विज्ञापन नहीं,बल्कि भारत की प्रशासनिक भर्ती प्रणाली में एक ऐतिहासिक संरचनात्मक सुधार के रूप में देखा जा रहा है। यह नोटिफिकेशन न केवल उम्मीदवारों के लिए नियमों में भारी परिवर्तन करता है, बल्कि यह स्पष्ट संकेत भी देता है कि आयोग अब मेरिट,अवसरों की समानता,नैतिकता और सेवा- प्रतिबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कठोर निर्णय लेने से पीछे नहीं हटेगा।यूपीएससी सीएसई -2026 के माध्यम से कुल 933 पदों पर भर्ती की जानी है,जिनमें से 33 पद बेंचमार्क दिव्यांग श्रेणी के लिए आरक्षित हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsconline.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। हालांकि,इस बार आवेदन भरना मात्र औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, क्योंकि नए नियमों की जटिलता और दीर्घकालिक प्रभाव को समझे बिना किया गया कोई भी निर्णय उम्मीदवार के पूरे करियर को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम केवल एक अतिरिक्त मौकाः सीरियल अटेम्प्ट' संस्कृति पर निर्णायक प्रहार इस बदले हुए नियम को समझने की करें तो, नोटिफिकेशन का सबसे महत्वपूर्ण और विवादास्पद प्रावधान यह है कि जो आईएएस आईएफएस उम्मीदवार सीएसई -2025 या उससे पहले की परीक्षा के आधार पर किसी भी सिविल सेवा में चयनित या नियुक्त हो चुके हैं,उन्हें सीएसई-2026 या सीएसई -2027 में केवल एक बार और परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा।यह अवसर भी केवल उनके बचे हुए अटेम्प्ट्स के उपयोग तक सीमित रहेगा और इसके लिए उन्हें तत्काल सेवा से इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं होगी।यह नियम उस प्रवृत्ति पर सीधा प्रहार है जिसमें उम्मीदवार एक सेवा प्राप्त करने के बाद भी बार-बार परीक्षा देकर "अपग्रेड सिंड्रोम" का शिकार बने रहते थे। इससे न केवल नए और पहली बार प्रयास करने वाले अभ्यर्थियों के अवसर सीमित होते थे,बल्कि प्रशासनिक ढांचे में भी अस्थिरता उत्पन्न होती थी।नए नियमों के अनुसार, जो उम्मीदवार पिछली परीक्षाओं के परिणामस्वरूप भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हो चुके हैं और वर्तमान में उन सेवाओं के सदस्य हैं, वे सीएसई -2026 में शामिल होने के लिए पूर्णतः अयोग्य होंगे।यह निर्णय वैश्विक प्रशासनिक प्रणालियों के अनुरूप है, जहां शीर्ष सेवाओं को एक करियर-फाइनल डेस्टिनेशन माना जाता है, न कि अस्थायी पड़ाव।इस प्रावधान का उद्देश्य स्पष्ट हैआईएएस और आईएफएस को एक बार प्राप्त करने के बाद उसे "स्टेपिंग स्टोन" की तरह प्रयोग करने की मानसिकता कोसटीक रूप से समाप्त करना।

साथियों बात अगर हम प्रीलिम्स क्लियर करने के बाद भी मेन्स का अवसर नहींः समय- आधारित निष्पक्षता इसको समझने की करें तो,यदि कोई उम्मीदवार सीएसई -2026 की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेता है, लेकिन उसके बाद उसे पिछली परीक्षा के आधार पर आईएएस या आईएफएस में नियुक्ति मिल जाती है और वह उस सेवा का सदस्य बना रहता है, तो वह सीएसई -2026 की मुख्य परीक्षा में शामिल होने का पात्र नहीं रहेगा। यह नियम परीक्षा प्रक्रिया में टाइम-लाइन आधारित निष्पक्षता को सुनिश्चित करता है और "दो नावों में पैर रखने" की प्रवृत्ति को रोकता है।यदि कोई उम्मीदवार मुख्य परीक्षा शुरू होने के बाद लेकिन परिणाम घोषित होने से पहले आईएएस या आईएफएस में नियुक्त हो जाता है और सेवा में बना रहता है, तो उसे सीएसए -2026 के परिणाम के आधार पर किसी भी सेवा में नियुक्त नहीं किया जाएगा।यह नियम यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी उम्मीदवार एक ही समय में दो अलग-अलग चयन प्रक्रियाओं का लाभ न उठा सके।

साथियों बात अगर हम हम आईपीएस के लिए 'नो री-एंट्री' नीति को समझने की करें तो नोटिफिकेशन में स्पष्ट किया गया है कि जो उम्मीदवार पिछली परीक्षा के आधार पर भारतीय पुलिस सेवा में चयनित या नियुक्त हो चुके हैं, वे सीएसई -2026 के परिणाम के आधार पर पुनः आईपीएस चुनने या उसमें शामिल होने के पात्र नहीं होंगे। यह नियम पुलिस नेतृत्व में निरंतरता, प्रशिक्षण निवेश की सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।ट्रेनिंग से केवल एक बार छूटः सेवा- प्रतिबद्धता का नया मानक-आईएएस,आईपीएस या किसी अन्य ग्रुप-A सेवा में चयनित उम्मीदवार सीएसई - 2027 में तभी शामिल हो सकते हैं जब उन्हें सीएसई -2026 के आधार पर अलॉट की गई सेवा की ट्रेनिंग से केवल एक बार छूट दी गई हो। यह प्रावधान यह स्पष्ट करता है कि प्रशिक्षण अब औपचारिकता नहीं, बल्कि सेवा का अनिवार्य और सम्मानजनक हिस्सा है।

साथियों बात अगर हम 'नो स्टेप-नो सर्विस': फाउंडेशन कोर्स की अनिवार्यता को समझने की करें तो,नए नियमों के अनुसार, चयनित उम्मीदवार को फाउंडेशन कोर्स में शामिल होना अनिवार्य है। यदि कोई उम्मीदवार न तो ट्रेनिंग में शामिल होता है और न ही विधिवत छूट प्राप्त करता है,तो उसकी सेवा आवंटन स्वतःरद्द कर दीजाएगी। यह प्रावधान प्रशासनिक अनुशासन और संस्थागत संस्कृति को मजबूत करता है। यदि कोई उम्मीदवार सीएसई -2027 में चयनित होता है, तो वह या तो सीएसई -2026 या सीएसई -2027 में अलॉट की गई सेवा में से एक का ही चयन कर सकता है। चयनित सेवा के अतिरिक्त अन्य सभी सेवा आवंटन स्वतः रद्द कर दिए जाएंगे। यह नियम उम्मीदवारों को स्पष्ट और जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए बाध्य करता है।दोनों चयन रद्द होने की स्थितिः अंतिम चेतावनी-यदि उम्मीदवार न तो सीएसई -2026 और न ही सीएसई -2027 के आधार पर आवंटित सेवा की ट्रेनिंग में शामिल होता है, तो दोनों सेवाओं का आवंटन रद्द कर दिया जाएगा। यह प्रावधान यह दर्शाता है कि यूपीएससी अब अनिश्चितता और अनिर्णय को सहन करने के मूड में नहीं है।तीसरे प्रयास से पहले इस्तीफा अनिवार्यः करियर-फाइनलिटी की अवधारणा-नोटिफिकेशन का सबसे निर्णायक नियम यह है कि जो उम्मीदवार पहले दो प्रयासों में चयनित हो चुके हैं, वे तीसरी बार परीक्षा नहीं दे सकते। यदि वे सीएसई -2028 या उसके बाद किसी परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं, तो उन्हें वर्तमान सेवा से इस्तीफा देना होगा। यह नियम सिविल सेवा को एक पूर्णकालिक प्रतिबद्ध करियर के रूप में स्थापित करता है।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय प्रशासनिक प्रणाली का नया युग यूपीएससी सीएसई -2026 का यह नोटिफिकेशन केवल नियमों का संग्रह नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक भर्ती प्रणाली के नैतिक पुनर्गठन का दस्तावेज है। यह डिजिटल युग की चुनौतियों,अवसरों की समानता,प्रशिक्षण निवेश, सेवा- गरिमा और युवा प्रतिभाओं के लिए न्यायसंगत मंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक साहसिक कदम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यह सुधार भारत को उन देशों की श्रेणी में खड़ा करता है जहां सिविल सेवा को केवल नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्तरदायित्व माना जाता है।जो उम्मीदवार 24 फरवरी 2026 तक आवेदन करने जा रहे हैं,उनके लिए यह अनिवार्य है कि वे इस नोटिफिकेशन को केवल पढ़ें नहीं, बल्कि समझें, विश्लेषण करें और दीर्घकालिक रणनीति के साथ निर्णय लें, क्योंकि अब यूपीएससी में सफलता केवल परीक्षा पास करने का नाम नहीं, बल्कि स्पष्ट दृष्टि, नैतिक प्रतिबद्धता और सेवा-समर्पण की परीक्षा भी बन चुकी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तीव्र तूफान?

लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान

झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं।

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दूष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं।

दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। हाल ही में यूरोप के इबेरियन प्रायद्वीप पर स्टॉर्म लियोनार्डो ने भारी तबाही मचाई। स्पेन और पुर्तगाल में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण नदियां उफान

पर आ गईं, बाढ़ जैसे हालात बने और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है, जिसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। लगातार बारिश के कारण जमीन पहले ही पानी से संतृप्त हो चुकी है और अब उसमें और पानी समाने की क्षमता नहीं बची है। इसका सीधा असर नदियों के जलस्तर, बांधों और जलाशयों पर पड़ रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अंडालूसिया के कोर्डोबा प्रांत में ग्वाडलक्विविर नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा और ऐतिहासिक रोमन ब्रिज पर आवाजाही रोक दी गई। ग्रहजालेमा पर्वतीय क्षेत्र में तो हालात और भी चिंताजनक हैं, जहां चट्टानें अत्याधिक पानी सोखने पर घुलने लग जाती हैं। इससे जमीन धंसने का खतरा पैदा हो जाता है, जिससे मकानों और सड़कों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है।

पुर्तगाल में भी हालात अलग नहीं हैं। साडो नदी के किनारे स्थित अल्कासेर शहर का बड़ा हिस्सा कई दिनों से पानी में डूबा हुआ है। बताया जा रहा, कि लोगों के पास पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा और हजारों नागरिकों को तत्काल सहायता की जरूरत है। टैगस नदी सहित छह प्रमुख नदियों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। सरकार ने फरवरी मध्य तक 69 नगरपालिकाओं में आपदा स्थिति बढ़ाने का फैसला किया है, जो इस संकट की व्यापकता को दर्शाता है। ऐसे में साधारणतः यही कहा जाता है कि इन सभी घटनाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन मौसम चक्र को असंतुलित कर रहे हैं। लगातार आने वाले तूफानों की यह 'स्टॉर्म ट्रेन' बताती है कि अब चरम मौसमी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि नई सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं। भूकंप के झटके, तीव्र तूफान और ज्वालामुखीय गतिविधियां यह संकेत देती हैं कि प्रकृति अपने तरीके से संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। अब सवाल यह है कि क्या मानव समाज इन चेतावनियों को गंभीरता से ले रहा है? केवल आपदा के बाद राहत और बचाव पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर शहरी नियोजन, वैज्ञानिक चेतावनी प्रणालियों और दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण नीतियों की। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति के साथ टकराव नहीं, बल्कि सामंजस्य ही मानव सभ्यता की सुरक्षा का एकमात्र रास्ता है। यदि समय रहते संतुलन नहीं साधा गया, तो आने वाले वर्षों में ऐसी आपदाएं और अधिक भयावह रूप ले सकती हैं। प्रकृति के संकेत साफ हैं, अब भी चेत जाने का वक्त है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है। इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया।

अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीडऩ मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है।

फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है।

अनुपम खेर ने की अपने म्यूजिक टीचर से मुलाकात, हुए भावुक

हाल ही में दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपने कॉलेज के समय के म्यूजिक टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू से मुलाकात की। इस दौरान वे भावुक हो गए। अनुपम आजकल गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहे हैं। अभिनेता ने म्यूजिक टीचर से मुलाकात का किस्सा फैंस के साथ शेयर किया। अभिनेता ने बताया कि वे गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू को इसकी खबर मिली, तो टीचर ने मिलने की इच्छा जताई, जिसके बाद अभिनेता ने मुलाकात की। अभिनेता ने वीडियो शेयर कर लिखा, 53 साल बाद मुलाकात, प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू 1972-73 में शिमला में मेरे म्यूजिक टीचर हुआ करते थे। उन्होंने हमारे कॉलेज के नाटकों के लिए संगीत भी तैयार किया था। जब मैं गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहा था, तब किसी तरह उनसे मुलाकात हो गई। अभिनेता ने आगे लिखा, उनका आशीर्वाद पाकर दिल बहुत खुश हो गया। वे मुझे बार-बार बेटा कहकर बुला रहे थे। इस उम्र में मुझे बेटा कहने वाले बहुत कम लोग हैं, मां के अलावा। अभिनेता ने आखिरी में लिखा, भारत सरकार ने उन्हें 2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया। सच कहूं तो उस जमाने में स्कूल और कॉलेज के शिक्षक सिर्फ विषय ही नहीं पढ़ाते थे, बल्कि जिंदगी और उसके सबक भी सिखाते थे। सर, आपके प्यार, ज्ञान और सीख के लिए दिल से धन्यवाद। फिल्म खोसला का घोसला-2 साल 2006 में इसी नाम से बनी सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है। कॉमेडी ड्रामा फिल्म खोसला का घोसला मध्यमवर्गीय परिवार के जमीन हड़पने के भू-माफिया से लोहा लेने की कहानी है। इस फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया था। फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी और विनय पाठक जैसे कलाकार शामिल थे। अब सीक्वल में पुराने कलाकारों की वापसी के साथ कुछ नए कलाकार भी दिखेंगे।

फैमिली बिजनेस मेरे लिए कई मायनों में यादगार : विजय वर्मा

वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस को लेकर नेटफ्लिक्स के विशेष कार्यक्रम में अभिनेता विजय वर्मा ने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए कई मायनों में यादगार है। उन्होंने पहली बार अपने पसंदीदा निर्देशक हंसल मेहता के साथ काम किया है, जिसे वह अपने करियर का खास अनुभव मानते हैं। इस कार्यक्रम में वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस की पूरी स्टार कास्ट ने हिस्सा लिया, जहां कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए और टीमवर्क की सराहना की। इस दौरान अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर सबसे ज्यादा चर्चा में रहे, जिन्होंने न सिर्फ प्रोजेक्ट के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया, बल्कि सह-कलाकारों की प्रशंसा भी की। एक्टर विजय ने कहा, हंसल सर ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल मॉडर्न है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद खास है। पहली बार मैंने विक्रम के साथ स्क्रीन शेयर की और अनिल तो हमेशा की तरह एवरग्रीन हैं। सबसे उदार, सबसे डैशिंग और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया। उनकी एनर्जी देखकर मजा आ जाता है। उन्होंने आगे कहा कि रिया और नंदीश के साथ काम करना भी शानदार अनुभव रहा। इस प्रोजेक्ट में कई चीजें मेरे लिए 'पहली बार हुईं, जो इसे और खास बनाती हैं, विजय ने हंसते हुए कहा। दूसरी तरफ, अनिल कपूर ने भी मंच पर अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उन्होंने शो की होस्ट जैमी लिवर की बेहद तारीफ की और कहा, जैमी, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। याद है, मैंने आपको सबसे पहले कॉल किया था जब आपने अपना करियर शुरू भी नहीं किया था। जैमी की प्रतिभा की अनिल ने खुले दिल से सराहना की। इसके बाद अनिल कपूर ने पूरी टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यहां मौजूद सभी लोग—विजय, हंसल, विक्रम, प्रोड्यूसर, मेरा पुराना दोस्त आकाश और बाकी कलाकार—सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। ये युवा कलाकार मुझे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि मेरा मुकाबला बढ़ता जा रहा है। इनके साथ काम करके मैं खुद को जवान महसूस करता हूं।

इंस्टा स्टोरी में जैकी दादा ने दिग्गजों को किया याद

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ भारतीय कला, संगीत और सिनेमा की विरासत को सम्मान देने के लिए अक्सर आगे आते हैं। हाल ही में उनकी इंस्टाग्राम स्टोरी इसका एक खूबसूरत उदाहरण रही, जहां उन्होंने महान कलाकारों और यादगार चेहरों को भावपूर्ण तरीके से याद किया। अभिनेता ने सबसे पहले हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज पंडित भीमसेन जोशी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपनी इंस्टा स्टोरी में उन्होंने जोशी की भावनाओं से भरी तस्वीरें साझा कीं और बैकग्राउंड में उनका प्रसिद्ध भजन 'माझें माहेर पंढरी लगाया। इससे साफ झलकता है कि जैकी श्रॉफ भारतीय संगीत की परंपरा और इसके महान कलाकारों को कितना सम्मान देते हैं। इसके बाद उन्होंने अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के जन्मदिन पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उर्मिला की कई पुरानी तस्वीरें शामिल थीं, जिनमें उनकी मुस्कान और मासूमियत देखने लायक थी। इस पोस्ट के साथ जैकी ने फिल्म 'रंगीला का मशहूर गीत 'तनहा तनहा यहां पे जीना जोड़ा, जिसने उर्मिला के करियर को नई पहचान दी थी। इतना ही नहीं, जैकी श्रॉफ ने दिग्गज अभिनेता और डांसर भगवान दादा की 24वीं पुण्यतिथि पर भी उन्हें याद किया। उन्होंने उनकी एक क्लासिक क्लिप शेयर की, जिसमें 'शोला जो भड़के गीत सुनाई दे रहा था एक ऐसा गाना जिसने भगवान दादा को सिनेमा इतिहास में अमर कर दिया। इन तीनों पोस्ट में जैकी श्रॉफ का भारतीय कला के प्रति सम्मान, उनकी संवेदनशीलता और सिनेमा की जड़ों से जुड़ाव स्पष्ट झलकता है। वे सिर्फ अभिनेता नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के प्रशंसक भी हैं। हाल ही में जैकी श्रॉफ ने अपना 69वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनकी बेटी कृष्णा श्रॉफ, निर्देशक सुभाष घई, अभिनेता सुनील शेट्टी समेत कई कलाकारों ने उन्हें सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दीं। कृष्णा श्रॉफ ने पापा की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे, मेरे रक्षक। पापा, मैं आपको पूरे दिल से प्यार करती हूं। सुनील शेट्टी ने जैकी के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा, मेरे हीरो को जन्मदिन की शुभकामनाएंज् आपका दिल आपकी लीजेंडरी पर्सनैलिटी से भी बड़ा है। सुभाष घई ने जैकी को कविता के साथ बधाई दी गौरव वो नहीं जिसका बाप बड़ा होता है, गौरव वो है जो खुद के पांव पर खड़ा होता हैज्।

'इक्का की शूटिंग का तिलोत्तमा ने सुनाया मजेदार किस्सा

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और अक्षय खन्ना लगभग 29 साल बाद फिर से एक साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों की जोड़ी ने 90 के दशक में कई यादगार फिल्मों में काम किया था। नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित ड्रामा फिल्म 'इक्का से अब दर्शकों को एक बार दोनों से फिर उसी दमदार केमिस्ट्री की उम्मीद है। फिल्म में दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम और संजीदा शेख जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स के एक कार्यक्रम में अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके अधिकतर सीन सनी देओल के साथ थे। एक दिन शूटिंग के दौरान सनी देओल का क्लोज-अप खत्म हो चुका था और उनका क्लोज-अप चल रहा था। तभी दो मक्खियां सनी देओल की आंखों के पास मंडराने लगीं। एक मक्खी उड़ गई, लेकिन दूसरी आकर उनकी आंख की वॉटरलाइन पर बैठ गई। इसके बावजूद सनी देओल शांत रहे और उन्होंने शॉट कट नहीं किया।

तिलोत्तमा ने बताया कि वह खुद परेशान हो रही थीं और जल्दी से अपना डायलॉग खत्म करने की कोशिश कर रही थीं क्योंकि मक्खी लगातार रेंग रही थी। जब शॉट पूरा हुआ, तो तिलोत्तमा ने उनसे पूछा कि उन्होंने कट क्यों नहीं कहा। इस पर सनी ने बहुत सहजता से जवाब दिया, मैं अपना टेक खराब नहीं करना चाहता था। अभिनेत्री ने कहा कि इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद सनी देओल की प्रोफेशनलिज्म और उदारता उन्हें बेहद प्रभावित करती है। आम तौर पर कलाकार असहज होने पर तुरंत कट बोल देते हैं, लेकिन सनी ने ऐसा नहीं किया। उनकी यह समर्पण भावना देखकर तिलोत्तमा भावुक हो गईं। 'इक्का एक कोर्टरूम थ्रिलर है, जिसकी कहानी एक ईमानदार और मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है। उसे एक ऐसे हत्या आरोपी का केस लडऩा पड़ता है, जिसके करियर को उसने वर्षों पहले खुद बर्बाद कर दिया था।

वकील जानता है कि यह केस उसके जीवन और करियर दोनों के लिए निर्णायक है, इसलिए जीतने के लिए उसे सही और गलत—दोनों तरह के तरीके अपनाने पड़ते हैं। अगर वह हार गया, तो उससे सब कुछ छिन सकता है। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा निर्देशित 'इक्का जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। दर्शक इस फिल्म में सनी और अक्षय की जोड़ी को फिर से देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। बता दें कि नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित ड्रामा फिल्म 'इक्का जल्द ही दर्शकों के सामने होगी।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने छत्रसाल स्टेडियम में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकड़ की हत्या से जुड़े मामले में आरोपी ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग की थी। सुशील कुमार और अन्य आरोपियों पर आरोप है कि मई 2021 में कथित संपत्ति विवाद के चलते उन्होंने सागर धनकड़ और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि धनकड़ को किसी भारी वस्तु से सिर में गंभीर चोट पहुंचाई गई, जिसके कारण उनकी मौत हुई। इस घटना में धनकड़ के दो दोस्त भी घायल हुए थे। घटना के तुरंत बाद सुशील कुमार को मई 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले अदालत ने 19 जुलाई 2023 को उनकी घुटने की सर्जरी के लिए एक सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। लेकिन नियमित जमानत को लेकर उनकी पिछली अर्जी और अब दायर ताजा अर्जी दोनों को अदालत ने निरस्त कर दिया।

वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी पर आकाश चोपड़ा का बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी की जमकर सराहना की है। उनकी 175 रन की शतकीय पारी ने भारत को 411/9 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया और टीम ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। 14 वर्षीय वैभव ने सिर्फ 80 गेंदों में यह धुआंधार पारी खेली, जिसमें 30 से ज्यादा चौके-छक्के शामिल थे। चोपड़ा ने उनकी पारी को अद्भुत बताते हुए कहा, वैभव सूर्यवंशी 26वें ओवर में आउट हुए और तब टीम का स्कोर 250 के आसपास था। इनमें से अकेले 175 रन उनका योगदान था। यह किसी भी स्तर पर असाधारण है। उनकी पारी ने साफ दिखा दिया कि इस बच्चे में कितना गजब का टैलेंट है। भारतीय अंडर-19 खिलाड़ी लगातार स्टैंडर्ड को ऊंचा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैभव हर गेंद को छक्के के लिए नहीं खेलते, कुछ गेंदों पर चूक भी होती है, लेकिन उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे पिछली गेंद को भूलकर अगली गेंद पर फोकस कर लेते हैं। फाइनल जैसे हाई-प्रेशर मैच में उनका यह आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती उन्हें अलग स्तर का खिलाड़ी बनाती है।

टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप में रचेगी 300 रन का इतिहास : रहाणे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज़ अजिंक्य रहाणे ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर एक साहसिक दावा किया है। उनका मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम वह ताकत और आक्रामकता रखती है, जो इस टूर्नामेंट में पहली बार 300 रन का आंकड़ा पार कर सकती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत यूएसए के खिलाफ करेगा, और रहाणे के अनुसार यही टीम इतिहास रचने की मजबूत दावेदार है।
एक सोशल मीडिया प्रश्नोत्तर सत्र में जब रहाणे से पूछा गया कि क्या कोई टीम टी20 वर्ल्ड कप में 300 रन बना सकती है, तो उन्होंने बिना झिझक भारत का नाम लिया। उनकी नजर में मौजूदा स्क्वाड में गहराई, क्षमता और आक्रामक मानसिकता है, जो इस उपलब्धि को संभव बना सकती है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया की आधुनिक टी20 अप्रोच और बेखौफ बल्लेबाज़ी उन्हें इस रिकॉर्ड के बेहद करीब ले जा चुकी है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी शैली, जिसे 'स्काईबॉलद्यÓ के नाम से जाना जा रहा है, भारतीय बल्लेबाज़ी की आक्रामक पहचान बन गई है। टूर्नामेंट में भारत अब तक सैकड़ों छक्के लगा चुका है और टीम के शीर्ष सात बल्लेबाज़ों का स्ट्राइक रेट भी शानदार रहा है। रहाणे का मानना है कि अगर भारतीय बल्लेबाज़ अपनी लय में रहे, तो 300 रन का आंकड़ा भी पहुंच से बाहर नहीं है।

टी20 वर्ल्डकप में भारत की दमदार जीत

यूएसए को 29 रनों से हराया

सूर्यकुमार यादव का नाबाद अर्धशतक

मुंबई ● एजेंसी

वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए रोमांचक टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले में टीम इंडिया ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 29 रनों से शिकस्त दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 161 रन बनाए, जिसके जवाब में यूएसए की टीम 8 विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी।

टॉस जीतकर यूएसए ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया और शुरुआत से ही भारतीय टीम पर दबाव बना दिया।पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले आउट हुए।ईशान किशन (20) और तिलक वर्मा (25) ने रन जरूर जोड़े, लेकिन पावरप्ले के आखिरी ओवर में शैडली वान शल्कविक ने बड़ा झटका दिया।उन्होंने एक ही ओवर में ईशान किशन, तिलक वर्मा और शिवम दुबे (0) को आउट कर भारत को 46/4 पर ला खड़ा किया।रिंकू सिंह (6) और हार्दिक पंड्या (5) भी जल्दी आउट हो गए और स्कोर 77/6 हो गया। सबसे मुश्किल हालात में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम को संभाला। उन्होंने अक्षर पटेल (14) के साथ 7वें विकेट के लिए 41 रनों की अहम साझेदारी की।सूर्या ने दबाव में शानदार बल्लेबाजी की और अपनी नाबाद फिफ्टी पूरी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएसए की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 13 रनों पर 3 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए।इसके बाद मिलिंद कुमार (34) और संजय कृष्णमूर्ति (37) ने पारी को संभालने की कोशिश की। मिलिंद को ईशान किशन की स्टंपिंग ने रोक दिया। कृष्णमूर्ति और शुभाम सुभाष (नाबाद 35) ने टीम को आगे बढ़ाया, लेकिन 98 पर अक्षर पटेल ने कृष्णमूर्ति को आउट कर दिया। अंतिम ओवरों में शुभाम ने संघर्ष जरूर किया, पर आखिरी गेंद पर मोहम्मद सिराज ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर भारत की जीत दिलाई । भारत की और से मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने 2- 2 विकेट लिए एवं वरुण चक्रवर्ती - 1 विकेट लिया। भारत ने यूएसए को 29 रनों से हराकर वर्ल्डकप में जीत से आगाज किया।

अंडर-19 वर्ल्डकप विजेता भारतीय टीम को बीसीसीआई का तोहफ़ा, 7.5 करोड़ रुपये का कैश पुरस्कार घोषित

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि का ऐलान किया है। यह इनाम न सिर्फ विजेता खिलाड़ियों बल्कि कोचिंग स्टाफ, तकनीकी टीम और चयन समिति को भी दिया जाएगा। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की और बताया कि पुरस्कार राशि के विभाजन पर जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सैकिया के अनुसार जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए रिकॉर्ड छठी बार खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि 7.5 करोड़ रुपये की राशि टीम के सभी सदस्यों के बीच बांटी जाएगी, हालांकि वितरण का सटीक फॉर्मेट अभी तय होना बाकी है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से मात देकर अपने दबदबे को और मजबूत किया। फाइनल मैच में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी। उनकी इस पारी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरुआत से ही दबाव में ला दिया। कप्तान आयुष म्हात्रे के 53 रन और विकेटकीपर अभिग्यान कुंडू के 40 रन ने टीम के स्कोर को 411/9 तक पहुंचाया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 311 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के कैलिब फाल्कनर के 115 रन भी उनकी टीम को बचा नहीं पाए। इस खिताबी जीत के साथ भारत ने एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। फिलहाल भारत के पास अंडर-19 पुरुष और अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप दोनों के खिताब मौजूद हैं, जो देश के मजबूत ग्रासरूट ढांचे और प्रतिभा विकास प्रणाली को दर्शाता है। बीसीसीआई सचिव ने टीम की जीत की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट की प्रगति मजबूत घरेलू संरचना, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और प्रतिभा पहचान के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि सीनियर पुरुष और महिला क्रिकेटरों के केंद्रीय अनुबंधों को लेकर बोर्ड जल्द ही अपडेट जारी करेगा।

अपनी बल्लेबाजी कौशल पर भरोसा था कि बड़े मैच में योगदान दे सकता हूं: सूर्यवंशी

नई दिल्ली ● एजेंसी

अंडर-19 विश्व कप में रिकॉर्ड छठी जीत, वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की विस्फोटक पारी बनी भारत की सफलता की कुंजी भारत को रिकॉर्ड छठा अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलते हुए ऐसा धमाका किया, जिसने इंग्लैंड की पूरी रणनीति को ध्वस्त कर दिया। महज 14 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली, जिसमें 15 छक्के और 15 चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड को 311 रन पर रोककर 100 रन से मुकाबला जीत लिया। फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच और पूरे टूर्नामेंट में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपने कौशल पर पूरा भरोसा था और टीम ने शुरुआत से ही अनावश्यक दबाव नहीं लेने की रणनीति अपनाई।

मैच के बाद उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दिखाए गए प्रदर्शन को दोहराने पर जोर दिया और इसी प्रक्रिया ने उन्हें बड़े मुकाबले में जीत दिलाई। सूर्यवंशी ने बताया कि टीम पिछले 8-9 महीनों से लगातार कड़ी मेहनत कर रही थी, जिसका नतीजा अब जाकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान से हार के बाद टीम ने और ज्यादा तैयारी की, जिसका सकारात्मक असर फाइनल में भी दिखाई दिया। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने विश्व कप जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि टीम रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर द्वारा स्थापित विश्व कप जीत की विरासत को आगे बढ़ाना चाहती थी। उन्होंने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा कि टीम ने फाइनल में बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखाया। म्हात्रे ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को 'जादुई बताते हुए कहा कि उनकी पारी को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर ने इस जीत को 'अविश्वसनीय करार दिया और कहा कि इंग्लैंड द्वारा दिखाए गए संघर्ष के बाद यह विजय और भी खास हो जाती है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों का इस तरह निखरकर सामने आना भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। वहीं इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रियू ने स्वीकार किया कि सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उनकी सारी योजनाओं को ध्वस्त कर दिया और इतनी करीब आकर ट्रॉफी गंवाना बेहद दर्दनाक है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की जीत से शुरुआत

नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली ● एजेंसी

पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए अभियान की दमदार शुरुआत की। कोलंबो में खेले गए इस रोमांचक मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 148 रन बनाकर 3 विकेट से मात दी। इससे पहले नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवर में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। सलामी बल्लेबाज सईम आयूब और साहिबजादा फरहान ने पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। आयूब ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जबकि फरहान ने 31 गेंद में 47 रन की अहम पारी खेली। हालांकि बीच के ओवरों में पाकिस्तान की बल्लेबाजी लडख़ड़ा गई और टीम बड़े नामों के बावजूद लगातार विकेट गंवाती रही। कप्तान सलमान अली आगा 12 रन पर आउट हुए, बाबर आजम ने 18 गेंदों में 15 रन बनाए। मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसी अनुभवी जोडिय़ों से भी बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दोनों नाकाम रहे। एक समय पाकिस्तान का स्कोर 17 ओवर में 115/7 था और टीम हार के काफी करीब नजर आ रही थी। आखिरी 18 गेंदों पर पाकिस्तान को 33 रन चाहिए थे। 18वें ओवर में नीदरलैंड ने सिर्फ 4 रन दिए, जिससे समीकरण और मुश्किल हो गया। इसके बाद 19वें ओवर में फहीम अशरफ ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। लोगन के ओवर में फहीम ने पहली, तीसरी और पांचवीं गेंद पर छक्के जड़े और ओवर की अंतिम गेंद पर गेंद को बाउंड्री पार भेजकर कुल 24 रन बटोर लिए। इससे पाकिस्तान को आखिरी 6 गेंदों में सिर्फ 5 रन की जरूरत रह गई।

अंतिम ओवर में फहीम अशरफ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीसरी गेंद पर चौका लगाकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। वह 11 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम के हीरो साबित हुए। नीदरलैंड की तरफ से मिकैरन और आर्यन ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले उनकी टीम की बल्लेबाजी भी औसत रही और कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका। पाकिस्तान की यह जीत कठिन परिस्थितियों में टीम की वापसी और निचले क्रम की जिम्मेदारी का बड़ा उदाहरण साबित हुई।

गावस्कर का पाकिस्तान पर निशाना : कहा - पहल हमेशा भारत ने की, जवाब कभी नहीं मिला

नई दिल्ली ● एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार को लेकर जारी विवाद के बीच भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान हमेशा भारत से दोस्ताना कदम बढ़ाने की उम्मीद करता है, लेकिन ऐसा कोई सकारात्मक रुख पाकिस्तान की ओर से कभी दिखाई नहीं दिया।

गावस्कर ने 2008 के आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग की शुरुआत में लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी मौजूद थे और कई पाकिस्तानी कमेंटेटर्स को भी भारत में काम करने का मौका मिला। उनके मुताबिक, भारत ने तब भी रिश्ता सुधारने की पहल की थी, जबकि पाकिस्तान की ओर से वैसी भावना कभी नजर नहीं आई, यहां तक कि तब भी जब दोनों देशों के रिश्तों में आज जैसी तल्खियां नहीं थीं। उन्होंने सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मुद्दा भी उठाया और पूछा कि कितने भारतीय कलाकारों या गायकों को पाकिस्तानी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। गावस्कर ने कहा कि भारत हमेशा पहला कदम उठाता है और किसी तरह की बुलींग नहीं कर रहा, बल्कि अपनी राह पर चलता रहा है। उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई है जब पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले भारत के खिलाफ मैच में उतरने से इनकार कर दिया है। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट में खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर रुख सख्त बना हुआ है। यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है, जिसे वेन्यू बदलने की अनुमति नहीं मिली और वह टूर्नामेंट से हट गया।

बॉटम

सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश बना भारत

बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 : भारत के 12 मुक्केबाज़ फाइनल में

ला नुसिया ● एजेंसी

स्पेन के ला नुसिया में आयोजित बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के आखिरी दिन 12 फाइनल स्थान अपने नाम किए। इनमें आठ महिलाएँ और चार पुरुष शामिल हैं, जिन्होंने अलग-अलग वेट कैटेगरी में प्रभावशाली जीत दर्ज की और भारत को मेडल टेबल पर शीर्ष दावेदार में ला खड़ा किया। पुरुष वर्ग में सचिन (60 किग्रा) ने इंग्लैंड के जैक ड्राइडन को हराकर लगातार दूसरी बड़ी जीत हासिल की। उनके बेहतरीन फॉर्म ने भारत को मजबूत शुरुआत दी। वहीं महिलाओं में ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने वेल्स की रोज़ी एक्लेस के खिलाफ सर्वसम्मत निर्णय से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

20 देशों के 200 से अधिक बॉक्सरों की भागीदारी वाले इस इवेंट में शनिवार के फाइनल में भारत 12 खिलाडिय़ों के साथ सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश है। इस मामले में भारत कजाकिस्तान (11), यूक्रेन (5) और मेजबान स्पेन (4) से आगे है। भारत ने कम से कम एक गोल्ड मेडल पक्का कर लिया है, क्योंकि महिला 54 किग्रा वर्ग का फाइनल पूरी तरह भारतीय मुक्केबाजों प्रीति और पूनम के बीच खेला जाएगा। महिला वर्ग में भारत का दबदबा पूरे सेशन में देखने को मिला। मंजू रानी (48 किग्रा), नीतू (51 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नैना (80 किग्रा) सभी ने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर शीर्ष मुकाबले में प्रवेश किया। यह प्रदर्शन महिला मुक्केबाजी में भारत की गहराई और निरंतरता का संकेत है। वहीं पुरुषों में दीपक (70 किग्रा), आकाश (75 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) ने भी फाइनल में प्रवेश किया। दीपक ने कजाकिस्तान के नुरबेक मुरसल को पहले ही राउंड में आरएससी से हराकर दिन का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आकाश और अंकुश ने कठिन कजाख प्रतिद्वंद्वियों को मात देकर स्वर्ण मुकाबले में जगह बनाई। भारत के कई मुक्केबाज़ सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक के साथ पोडियम पर पहुंचे। महिलाओं में प्रांजल यादव (65 किग्रा), काजल (65 किग्रा), सनामचा चानू (75 किग्रा) और मनकीरत कौर (80 किग्रा) ने ब्रॉन्ज जीता। पुरुष वर्ग में जदुमणि सिंह (55 किग्रा), मोहम्मद हुसाम उद्दीन (60 किग्रा) और हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने भी कांस्य पदक हासिल किया। भारत का यह प्रदर्शन आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए मजबूत संकेत देता है, जहां भारतीय मुक्केबाजों की चुनौती और भी दमदार दिखाई देगी।

न्यूज ब्रीफ

अजित पवार की मौत पर बोले रोहित पवार- मौत को लेकर है संदेह, 10 फरवरी को प्रेजेंटेशन देंगे

मुंबई। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार की मौत को लेकर कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में अनेक सवाल और संदेह हैं। ऐसे में वो 10 फरवरी को मुंबई में एक डिटेल प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेंगे और बताएंगे कि हादसा कैसे और क्यों हुआ। उन्होंने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में मतदान करने के बाद पत्रकारों के समक्ष कही। दरअसल महाराष्ट्र में शनिवार को 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समितियों के लिए वोटिंग हुई। यहां बताते चलें कि पहले ये चुनाव 5 फरवरी को होने वाले थे, लेकिन 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पवार की मौत के बाद चुनाव टल गए थे। यहां रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार चाह रहे थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग गुट एक हों। इसलिए विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं।

इंडिगो फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। विमान के लैंडिंग गियर के लीवर में समस्या थी। यह विमान ए321 नियो था, जो फ्लाइट नंबर 6ई2157 के रुप में उड़ान भर रहा था। इसमें 210 से ज्यादा यात्री सवार थे। हालांकि, पायलट ने समझदारी से विमान को सुरक्षित रुप से एयरपोर्ट पर लैंड करा लिया। यह मामला शुक्रवार को पेश आया। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि लैंडिंग गियर का ऑटोमैटिक सिस्टम काम नहीं कर रहा था, इसलिए पायलट ने मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल किया। बाद में तकनीकी खराबी को ठीक कर लिया गया। दिक्कत दूर होने के बाद विमान ने दूसरी उड़ानें भी सामान्य रुप से पूरी कीं। इस मामले पर इंडिगो एयरलाइंस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

एपस्टीन फाइल्स : अनिल अंबानी से जुड़ी चैट्स आईं सामने, बातचीत को लेकर नया विवाद

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी 'एपस्टीन फाइल्सÓ में उद्योगपति अनिल अंबानी से जुड़ी बातचीत सामने आने के बाद एक बार फिर जेफ्री एपस्टीन के नेटवर्क को लेकर विवाद तेज हो गया है। इन दस्तावेजों में 2017 से 2019 के बीच एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच हुई कथित ईमेल और चैट बातचीत का उल्लेख है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इन संवादों में कारोबार, वैश्विक मुद्दों और निजी चर्चाओं का जिक्र है। 9 मार्च 2017 की एक बातचीत में एपस्टीन ने मुलाकात को दिलचस्प बनाने के लिए एक लंबी, सुनहरे बालों वाली स्वीडिश महिला का सुझाव दिया, जिस पर कथित तौर पर अंबानी ने इसे अरेंज करो लिखा। यह बातचीत उस समय की बताई जा रही है, जब एपस्टीन 2008 में नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध में दोषी ठहराया जा चुका था। दस्तावेजों में यह भी सामने आया है कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच पेरिस और न्यूयॉर्क में मुलाकात की योजनाएं बनी थीं। मई 2019 में अंबानी के न्यूयॉर्क दौरे के दौरान एपस्टीन ने उन्हें मैनहैटन स्थित अपने घर बुलाया था, जहां दोनों के मिलने का दावा किया गया है। बातचीत में अंतरराष्ट्रीय यात्राओं और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे आयोजनों का भी उल्लेख है। एक अन्य चैट में एपस्टीन ने अंबानी से उनकी पसंदीदा अभिनेत्री के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने हॉलीवुड अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन का नाम लिया।

भारत और अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री ने जताई खुशी

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके व्यक्तिगत सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता न केवल दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि मेक इन इंडिया अभियान को भी नई गति देगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस समझौते से भारत के किसानों, उद्यमियों, लघु एवं मध्यम उद्योगों, स्टार्टअप्स और मछुआरों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने साझा किया कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, ऐसी वैश्विक साझेदारियां भविष्य की नींव रखने, नागरिकों को सशक्त बनाने और साझा समृद्धि लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह समझौता विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके माध्यम से अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत के अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क (टैरिफ) को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। गौरतलब है कि यह अतिरिक्त शुल्क रूस से तेल खरीद के संदर्भ में लगाया गया था। अब भारत के लिए कुल टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि विमान (एयरक्राफ्ट) और उससे संबंधित उपकरणों पर लगने वाली ड्यूटी को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि भारत ने रूस से तेल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है और अब वह ऊर्जा उत्पादों की अपनी आवश्यकताओं के लिए अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक मामलों पर अमेरिका के साथ पर्याप्त तालमेल बिठाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। इसी आधार पर भारत से आयातित वस्तुओं पर लगे अतिरिक्त शुल्कों को हटाने का निर्णय लिया गया है। इस समझौते की एक बड़ी खूबी यह है कि भारत ने अपने संवेदनशील कृषि और ग्रामीण हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। समझौते के तहत भारत के प्रमुख कृषि उत्पादों, जैसे गेहूं, बाजरा, सूखे अनाज और पशु आहार के लिए उपयोग होने वाले लाल ज्वार को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल और डेयरी उत्पादों को भी इस सौदे के दायरे से बाहर रखा गया है। भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि उसकी डेयरी और मसाला श्रेणियों पर विदेशी प्रतिस्पर्धा का नकारात्मक असर न पड़े। अगले 10 वर्षों में रक्षा सहयोग बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की इस साझा रणनीति ने दोनों देशों के भविष्य के रिश्तों को एक नई दिशा प्रदान की है।

यूएस में फार्मा उत्पाद समेत इन बस्तुओं पर लगेगा जीरो टैरिफ, पीयूष गोयल ने बताई पूरी लिस्ट

केंद्रीय मंत्री बोले- सरकार ने किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते (इंटरिम ट्रेड डील) का फ्रेमवर्क जारी होने के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समझौते के तहत अमेरिका ने भारत से निर्यात होने वाली कई अहम वस्तुओं पर 0 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है, जबकि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्र में किसी भी तरह की रियायत नहीं दी है। पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ने जिन भारतीय उत्पादों पर शून्य शुल्क लागू किया है, उनमें जेम्स एंड ज्वैलरी, डायमंड्स, फार्मा उत्पाद, स्मार्टफोन्स, मसाले, चाय, कॉफी, नारियल, नारियल तेल, वेजिटेबल ऑयल, काजू, कई फल और सब्जियां शामिल हैं। इसके अलावा केला, आम, अनानास, मशरूम, वेजिटेबल रूट्स, कोको और उससे बने उत्पाद, प्रोसेस्ड फूड जैसे अमरूद का जैम, एयरक्राफ्ट पार्ट्स, मशीनरी पार्ट्स, एल्यूमिनियम पार्ट्स, जिंक ऑक्साइड, मिनरल्स, नेचुरल रबर, एसेंशियल ऑयल और प्लैटिनम कॉइंस जैसी वस्तुओं को भी 0 टैरिफ का लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने दो टूक कहा कि भारत ने अपने किसानों और डेयरी सेक्टर के हितों से कोई समझौता नहीं किया है। उन्होंने बताया कि अमेरिका को मीट, पोल्ट्री, डेयरी उत्पाद, चीनी, सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा, रागी, अमरनाथ, फल, ग्रीन टी, कोको, चना, एनिमल सीड्स, नॉन-एल्कोहलिक प्रोडक्ट्स, इथेनॉल और तंबाकू जैसे कृषि एवं उससे जुड़े उत्पादों पर कोई छूट नहीं दी गई है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि इस ट्रेड फ्रेमवर्क के जरिए भारत के लिए करीब 30 ट्रिलियन डॉलर की अमेरिकी अर्थव्यवस्था का बाजार कम टैरिफ पर खुल गया है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने भारत पर औसत टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है, जो भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम है। उन्होंने कहा कि जहां चीन पर 35 प्रतिशत, वियतनाम पर 20 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 19 प्रतिशत टैरिफ है, वहीं भारत को अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति मिली है। उन्होंने इस दिन को भारत की 2047 तक विकसित भारत बनने की यात्रा में बेहद महत्वपूर्ण बताया। गोयल ने कहा कि फरवरी 2025 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू हुई थी, जिसका लक्ष्य 500 बिलियन डॉलर का सालाना द्विपक्षीय व्यापार हासिल करना है। उनके अनुसार, यह अंतरिम समझौता उस दिशा में एक बड़ा कदम है और आने वाले दिनों में भारतीय निर्यातकों, उद्योगों और विभिन्न सेक्टरों के लिए नए अवसर खोलेगा।

राजस्थान के टाइगर रिजर्व में रील बनाने, शूट व सेल्फी लेने पर लगा बैन

सवाई/माधोपुर। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक सफारी के पर्यटक और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए हैं कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक और 'घुसखोर पंडत विवाद से यूपी की सियासत में भूचाल

लखनऊ ● एजेंसी

23 दिसंबर 2025 की शाम कुशीनगर में भाजपा और अन्य दलों के करीब 52 ब्राह्मण विधायक और एमएलसी एक विशेष बैठक में जुटे। बैठक पीएन पाठक के आवास पर आयोजित की गई थी और इसमें केवल ब्राह्मण नेता ही शामिल थे। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ब्राह्मण समुदाय नाराज चल रहा है, और यह बैठक उनकी नाराजगी और आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। यह घटना 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और जातीय समीकरण को लेकर सियासी हलचल पैदा कर गई है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण समुदाय संख्या में 12-14 प्रतिशत होने के बावजूद 100 से ज्यादा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाता है। पूर्वी यूपी, मध्य यूपी, बुंदेलखंड और पश्चिमी क्षेत्रों में उनका प्रभाव विशेष रूप से महसूस किया जाता है। पिछली दो विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने जातीय समीकरण का लाभ उठाया था, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में हल्का झटका मिला। इस कारण से ब्राह्मणों की नाराजगी भाजपा के लिए चिंता का विषय बन गई है। इस राजनीतिक संवेदनशीलता के बीच, नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'घुसखोर पंडत के ट्रेलर ने ब्राह्मण समाज में आक्रोश पैदा कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत लखनऊ के हजरतगंज थाने में फिल्म निर्देशक नीरज पांडे और उनकी टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया और ट्रेलर हटाने को कहा। अभिनेता मनोज बाजपेयी और निर्देशक ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रचार सामग्री वापस ले ली। विश्लेषकों का मानना है कि यह दोनों घटनाएं-ब्राह्मण विधायकों की बैठक और वेब सीरीज विवाद-यूपी की जातीय राजनीति में ब्राह्मण वोट बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए जातीय संतुलन बनाए रखना और ब्राह्मण समुदाय की नाराजगी को शांत करना रणनीतिक चुनौती बन गया है।

बीजेपी ने रितु तावड़े को बनाया मेयर उम्मीदवार तो शिवसेना (शिंदे गुट) ने डिप्टी मेयर पद के लिए संजय घाड़ी को

मुंबई ● एजेंसी

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए होने वाले चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (शिंदे गुट) ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बीजेपी ने रितु तावड़े को बीएमसी मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर पद के लिए मैदान में उतारा है। मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे होना है। उम्मीदवारों के नाम तय होने के बाद अब दोनों पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चुनाव अधिकारी के पास मेयर पद के लिए उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल किया जाएगा। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि शिवसेना (ठाकरे गुट) भी मेयर पद के लिए अपना उम्मीदवार उतार सकती है, जिससे मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है। भाजपा नेता अमित साटम ने रितु तावड़े के नाम की औपचारिक घोषणा की। रितु तावड़े वार्ड क्रमांक 132 से निर्वाचित कॉरपोरेटर हैं और पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। वहीं संजय घाड़ी वार्ड क्रमांक 5 से चुने गए थे। वे पहले शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के वरिष्ठ कॉरपोरेटर रहे हैं, लेकिन बाद में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। शिवसेना के सचिव संजय मोरे ने बताया कि संजय घाड़ी अगले 15 महीनों तक डिप्टी मेयर के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी ने डिप्टी मेयर पद को चार हिस्सों में बांटने का निर्णय लिया है, ताकि अलग-अलग समय में चार पार्षदों को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सके। पार्टी का कहना है कि यह फैसला संगठन के भीतर संतुलन बनाए रखने और वरिष्ठ नेताओं को अवसर देने के उद्देश्य से लिया गया है। बीएमसी प्रशासन में मेयर और कमिश्नर दो सबसे अहम पद माने जाते हैं। मेयर नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं, शहर का औपचारिक प्रतिनिधित्व करते हैं और प्रस्तावों व बहसों का संचालन करते हैं। मेयर की भूमिका मुख्य रूप से औपचारिक और प्रतिनिधित्व से जुड़ी होती है।

बॉटम भोजन के बाद उल्टी, पेट दर्द और घबराहट की शिकायत; एक बच्ची की हालत गंभीर, जांच के आदेश

मधेपुरा में मिड-डे-मील लेने से 70 से अधिक बच्चे बीमार, स्कूल में मचा हड़कंप

मधेपुरा ● एजेंसी

बिहार के मधेपुरा जिले में शनिवार को मिड-डे-मील खाने के बाद बड़ा हादसा सामने आया है। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारू टोला, साहुगढ़ में भोजन करने के बाद 70 से अधिक बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। खाना खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और घबराहट की शिकायत होने लगी, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों की हालत तेजी से बिगड़ती देख शिक्षकों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी बीमार बच्चों को मधेपुरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। हालांकि, इलाज के दौरान एक बच्ची की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिसे विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए, जिससे वहां भी तनावपूर्ण माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिड-डे-मील में छिपकली गिरने की आशंका जताई जा रही है, जिसके कारण भोजन जहरीला हो सकता है। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। स्कूल प्रशासन ने एहतियातन भोजन वितरण तुरंत रोक दिया और बचे हुए खाने को सुरक्षित रख लिया गया है, ताकि उसकी जांच की जा सके। बताया गया है कि स्कूल में मिड-डे-मील एनजीओ के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था। इस घटना ने एक बार फिर मिड-डे-मील की गुणवत्ता, स्वच्छता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना की जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) संजय कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और बच्चों का हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। डीईओ ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नबंर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)